RNI No. : UPHIN/2021/84100

हिन्दी दैनिक

शौर्य भारत

प्रयागराज संस्करण

मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026

वर्ष : 04 अंक : 217 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00

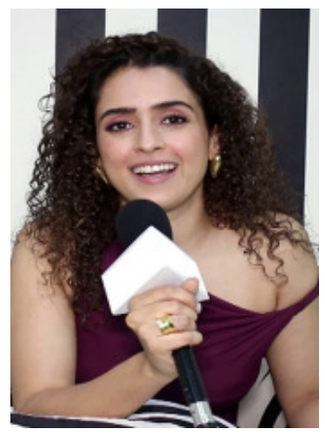

3 पत्नी की हत्या कर संदूक में रखकर फेंका शव... 5 संदिग्ध हालात में विवाहिता की जलकर मौत... 8 सान्या मल्होत्रा का बेबाक अंदाज, बोलीं- 'असफलता ...

कांग्रेस का आप पर बड़ा हमला, अजय माकन बोले- भाजपा की प्रॉक्सी थी, अब मुखौटा उतरा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी को अतीत में उसके (कांग्रेस) खिलाफ प्रॉक्सी की तरह इस्तेमाल किया और अब ताजा घटनाक्रम से आप एवं अरविंद केजरीवाल का मुखौटा उतर गया है। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने अपनी यह पुरानी बात फिर दोहराई कि दिल्ली में कांग्रेस का आम आदमी पार्टी को सहयोग करना एक गलती थी और 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन सहयोगी दलों के दबाव में आप के साथ सीटों का तालमेल किया गया था। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि केजरीवाल की पार्टी ने धनकुबेरों को धन के आधार पर राज्यसभा भेजा और अब इसका नाम अरबपति आदमी पार्टी हो जाना चाहिए। माकन ने कटाक्ष किया कि जब धनकुबेरों को धन के आधार पर राज्यसभा देंगे तो यही हाल होगा जो अब हुआ है। उन्होंने कहा, आप छोड़ने वाले सातों राज्यसभा सदस्यों में से हर एक की घोषित औसत संपत्ति 818 करोड़, 50 लाख, 35 हजार और 420 रुपये है।

उन्होंने आरोप लगाया, शीला दीक्षित और मनमोहन सिंह को बदनाम करने की साजिश केजरीवाल ने रची थी... उन्होंने और आम आदमी पार्टी ने भाजपा के प्रॉक्सी के रूप में काम किया था... अब मुखौटा उतर चुका है। माकन ने कहा कि आप उन्हीं राज्यों में चुनाव लड़ती है जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होता है। उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी से कई और नेता भाजपा शामिल होने वाले हैं।

मतुआ समुदाय को नागरिकता का वादा, बोले- पश्चिम बंगाल में सिंडिकेट राज और घुसपैठ करेंगे खत्म

कोलकाता **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बनाएगी और चार मई को परिणाम घोषित होने के बाद वह शपथ ग्रहण समारोह के लिए फिर आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के तहत प्रचार के आखिरी दिन उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उस पर सिंडिकेट राज चलाने, राजनीतिक हिंसा करने और राज्य में आर्थिक पिछड़ेपन का आरोप लगाया।

मोदी ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में मैंने जो माहौल महसूस किया है, उससे मैं कह सकता हूं कि चार मई के बाद भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुझे फिर से आना होगा।'' इस पर भीड़ ने जोरदार तालियां बजाईं। बैरकपुर के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस भूमि ने 1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अब यह पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन का आधार तैयार कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के समग्र विकास के लिए पश्चिम बंगाल की प्रगति आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि पूर्वी क्षेत्र का उदय देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल की सेवा करना, उसे सुरक्षित रखना और उसे बचाना मेरी नियति और कर्तव्य है।'' पड़ोसी राज्यों में भाजपा की जीत का उदाहरण देते हुए मोदी ने कहा, ''ओडिशा और बिहार के बाद इस बार पश्चिम बंगाल में भी कमल खिलेगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने अपने मूल नारे ''मां, माटी, मानुष'' की अवहेलना की और राज्य के विकास के लिए उसके पास कोई दूरदृष्टि नहीं है। उन्होंने कहा, ''तृणमूल के पास पश्चिम बंगाल के विकास के लिए कोई दूरदृष्टि नहीं है।'' उन्होंने दावा किया कि राज्य में उद्योग बंद हो रहे हैं जबकि अपराधियों के गिरोह फल-फूल रहे हैं। मोदी ने कहा, ''एक तरफ मिलें बंद हो रही हैं तो दूसरी तरफ कच्चे बम बनाने के कारखाने खुल रहे हैं, जिनमें गुंडों को काम पर रखा जा रहा है और तृणमूल का गिरोह फैल रहा है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ताधारी दल पर शासन करने के बजाय गाली-गलौज और धमकियों का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''तृणमूल की एकमात्र रणनीति गाली-गलौज करना, धमकियां देना और झूठी बातें फैलाना प्रतीत होती है। उन्होंने मुझे, संवैधानिक संस्थाओं और यहां तक कि सशस्त्र बलों को भी अपने अपमानजनक बयानों से निशाना बनाया है।''

दक्षिण बंगाल के कई जिलों में प्रभावशाली मतुआ समुदाय से संपर्क साधते हुए, मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार सभी पात्र लोगों को नागरिकता और दस्तावेज उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, ''मैं मतुआ समुदाय को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपको नागरिकता मिलेगी और सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे।'' उन्होंने घुसपैठ पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि वास्तविक भारतीय नागरिकों की रक्षा की जाएगी और अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मोदी ने कहा, ''जाति या धर्म कुछ भी हो, भारतीयों को किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा, लेकिन घुसपैठियों को नहीं बख्शा जाएगा।'' भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि भाजपा ने जम्मू- कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटा कर उनकी एक प्रमुख वैचारिक प्रतिबद्धता को पहले ही पूरा कर लिया है।

ईरान युद्ध के असर से ब्रिटेन में रिटेल सेल में 40 साल की सबसे बड़ी गिरावट, सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ईरान युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई की आशंकाओं के बीच ब्रिटेन में रिटेल सेल को बड़ा झटका लगा है। उद्योग संगठन कन्फैडरेशन ऑफ ब्रिटिश इंडस्ट्री (ब्रिटिश उद्योग परिसंघ (सीबीआई) के ताजा सर्वे के मुताबिक अप्रैल में खुदरा बिक्री में साल-दर-साल आधार पर 40 वर्षों में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई है।

सीबीआई का मासिक रिटेल सेल्स वॉल्यूम इंडैक्स मार्च के -52 से गिरकर अप्रैल में -68 पर पहुंच गया, जो 1983 में इस आंकड़े की शुरूआत के बाद सबसे निचला स्तर है। वहीं, मई के लिए भी स्थिति निराशाजनक दिख रही है। बिक्री के अनुमान का सूचकांक -49 से गिरकर -60 हो गया, जो कोविड-19 महामारी के दौरान मार्च 2021 के बाद सबसे कमजोर स्तर है।

सीबीआई के प्रमुख अर्थशास्त्री मार्टिन सार्टोरियस ने कहा कि अप्रैल में खुदरा हालात और खराब हुए हैं। उन्होंने बताया कि ईरान संघर्ष के आर्थिक प्रभाव अब स्पष्ट हो रहे हैं, जिससे उपभोक्ता विश्वास कमजोर पड़ा है और कारोबार प्रभावित हो रहा है।

फरवरी के अंत में शुरू हुए ईरान युद्ध का असर वैश्विक स्तर पर देखा जा रहा है। इस संघर्ष के कारण ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका फिर से गहरा गई है और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें भी कमजोर पड़ी हैं।

सर्वे में यह भी सामने आया कि ऑनलाइन खुदरा बिक्री अप्रैल में जनवरी 2024 के बाद सबसे तेज दर से गिरी। वहीं, थोक कारोबार में भी गिरावट जारी रही और अगले महीने इसमें और तेजी आने की आशंका जताई गई है।

लद्दाख के लिए ऐतिहासिक दिन! 5 नए ज़िलों के गठन को एलजी की मंज़ूरी, अब 2 के बजाय होंगे 7 ज़िले

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के विकास और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में सोमवार को एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित किया गया। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने क्षेत्र में पाँच नए ज़िलों के गठन के आधिकारिक प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है। इस घोषणा के साथ ही लद्दाख में ज़िलों की कुल संख्या अब दो (लेह और कारगिल) से बढ़कर सात हो गई है। नए ज़िले ये हैं: नुब्रा, शाम, चांगथांग, ज़ांस्कर, द्रास।

एक्स पर एक पोस्ट में, एलजी ने कहा कि उन्होंने पाँच ज़िलों के गठन के लिए अधिसूचना को मंज़ूरी दे दी है, जिससे लोगों की लंबे समय से चली आ रही माँग पूरी हो गई है। एलजी ने कहा, 'लद्दाख के लिए एक ऐतिहासिक दिन। मैंने लद्दाख में पाँच नए ज़िलों के गठन के लिए अधिसूचना को मंज़ूरी दे दी है, जिससे लद्दाख के लोगों की आकांक्षाएँ और लंबे समय से चली आ रही माँग पूरी हो गई है। पाँच नए ज़िलों - नुब्रा, शाम, चांगथांग, ज़ांस्कर और द्रास - के गठन के साथ, लद्दाख में अब मौजूदा दो ज़िलों के बजाय सात ज़िले हो जाएँगे।'

उन्होंने कहा कि यह कदम एक विकसित और समृद्ध लद्दाख के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप है। इस फ़ैसले को इससे पहले अगस्त 2024 में गृह मंत्रालय से मंज़ूरी मिल चुकी थी।

एलजी सक्सेना ने कहा कि नए ज़िलों के गठन से ज़मीनी स्तर पर शासन मज़बूत होगा, प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा, और सार्वजनिक सेवाओं की तेज़ डिलीवरी सुनिश्चित होगी, विशेष रूप से दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में। उन्होंने कहा, 'यह परिवर्तनकारी फ़ैसला, जिसे गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने अगस्त 2024 में पहले ही मंज़ूरी दे दी थी, ज़मीनी स्तर पर शासन को मज़बूत करेगा, प्रशासन का विकेंद्रीकरण करेगा और लद्दाख के लोगों, विशेष रूप से दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वालों तक सार्वजनिक सेवाओं की तेज़ डिलीवरी सुनिश्चित करेगा।'

उन्होंने आगे कहा कि इस कदम से विकास, रोज़गार और उद्यमिता के नए अवसर भी खुलेंगे, जिससे शासन लोगों के और करीब आएगा और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान मिलेगा। उन्होंने आगे कहा नए ज़िलों के गठन से न केवल शासन नागरिकों के और करीब आएगा, बल्कि विकास, रोज़गार और उद्यमिता के नए अवसर भी पैदा होंगे। मैं अपनी इस प्रतिबद्धता को दोहराता हूँ कि लद्दाख का हर नागरिक इस ऐतिहासिक फ़ैसले से लाभान्वित हो, क्योंकि हम सब मिलकर एक उज्जवल, मज़बूत और अधिक समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर हैं।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद मिताली बाग के काफिले पर हमला

कार में तोड़फोड़, भाजपा पर लगा आरोप

कोलकाता **(एजेंसी)**। आरामबाग से तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिताली बाग ने सोमवार को आरोप लगाया कि हुगली ज़िले के गोगहाट में भाजपा के गुंडों ने उनकी कार में तोड़फोड़ की, जब वे चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी की रैली में जा रही थीं। हालाँकि, इन आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा ने दावा किया कि बाग 'ड्रामा' कर रही हैं और असल में टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने ही भगवा पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला किया था। इस बीच, सीईओ के एक अधिकारी ने बताया कि कथित घटना के बारे में एक रिपोर्ट मांगी गई है और केंद्रीय बल मौके पर डेरा डाले हुए हैं। खबरों के मुताबिक, मिताली बाग को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और सुरक्षा बल कड़ी निगरानी रख रहे हैं। टीएमसी के एक एक्स पोस्ट के अनुसार, पार्टी नेता की कार में तोड़फोड़ की गई। पार्टी ने बीजेपी पर उनकी जान लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया। मिताली बाग का वीडियो शेयर करते हुए टीएमसी ने एक्स पर पोस्ट किया, अमित शाह ने हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को धमकी दी थी कि जो कोई भी अपने घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। आज, उस धमकी पर अमल किया गया। हमारी सांसद मिताली बाग, जो अनुसूचित जाति समुदाय से चुनी हुई महिला प्रतिनिधि हैं, पर बीजेपी के गुंडों और बदमाशों ने बेरहमी और कायरतापूर्ण तरीके से हमला किया। उनकी कार में तोड़फोड़ की गई। उनकी विंडशील्ड तोड़ दी गई। कांच के टुकड़े उनके शरीर में घुस गए। उन्हें दर्द से कराहते हुए सुनें। यह एक चुने हुए सांसद की जान लेने की कोशिश है। अमित शाह ने मंच से इसका आदेश दिया। उनके गुंडों ने इसे सड़क पर अंजाम दिया। आदेश की कड़ी सीधी है। इसकी ज़िम्मेदारी उनकी है। जब भाजपा को अपनी हार साफ़ नज़र आती है, तो वह इस हद तक गिरने को तैयार हो जाती है। हिंसा। खून-खराबा। एक महिला पर हमला। एक अनुसूचित जाति के प्रतिनिधि पर हमला।

हेल्थ इंश्योरेंस के बावजूद जेब पर भारी बोझ, रिपोर्ट में खुलासा- इलाज का 95 फीसदी खर्च खुद उठा रहे मरीज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है लेकिन इसके बावजूद मरीजों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम नहीं हो रहा है। हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम को लेकर एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जनवरी-दिसंबर 2025 के बीच किए घरेलू उपभोग सर्वे में खुलासा हुआ है कि बीमा होने के बावजूद अधिकांश लोग इलाज का बड़ा हिस्सा अपनी जेब से या उधार लेकर चुका रहे हैं।

सर्वे के अनुसार 2017-18 की तुलना में स्वास्थ्य बीमा कवरेज में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है लेकिन आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडेचर यानी अपनी जेब से होने वाले खर्च में कोई खास कमी नहीं आई है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य योजनाओं का कवरेज 13इ से बढ़कर 46इ हो गया है लेकिन अस्पताल में भर्ती होने पर औसतन 33, 000 रुपए के खर्च में से करीब 95इ राशि मरीजों को खुद वहन करनी पड़ रही है। शहरी क्षेत्रों में कवरेज 9इ से बढ़कर 32इ हुआ है लेकिन यहां भी 47, 000 रुपए के औसत अस्पताल खर्च में से लगभग 83इ खर्च मरीजों की जेब से जा रहा है।

पिछले 7-8 वर्षों में अस्पताल में भर्ती होने की लागत लगभग दोगुनी हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 97इ और शहरी क्षेत्रों में 77इ दर्ज की गई है। निजी अस्पतालों की बढ़ती लागत को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रसव के दौरान होने वाला खर्च और जेब से किया जाने वाला भुगतान लगभग बराबर है। देश में प्रति 1, 000 लोगों पर अस्पताल में भर्ती होने की दर 29 पर स्थिर बनी हुई है, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हल्का बदलाव देखा गया है।

ऑयल इंडिया को विदेश में बड़ी सफलता लीबिया में मिला नया तेल-गैस भंडार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत सरकार की महारत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने विदेश में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने बताया है कि लीबिया के एरिया 95/96 ब्लॉक में नए तेल और गैस भंडार की खोज हुई है, जो उसके अंतरराष्ट्रीय एक्सप्लोरेशन पोर्टफोलियो के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस परियोजना में उसकी 25इ हिस्सेदारी है और वह भारतीय कंसोर्टियम का हिस्सा है, जिसमें इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भी शामिल है।

यह ब्लॉक दक्षिण-पश्चिम लीबिया के घडामेस बेसिन में स्थित है और लगभग 6, 630 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसका संचालन सिपेक्स कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

यहां कुल 8 कुओं की खुदाई की योजना है, जिनमें से 5 कुएं पहले ही ड्रिल किए जा चुके हैं। हाल ही में छठे कुएं (ए1-96/02) में नई तेल और गैस की खोज हुई है, जिसे लीबिया की नेशनल ऑयल कॉरपोरेशन ने आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी है। इससे यह साफ होता है कि इस इलाके में हाइड्रोकार्बन की मजबूत संभावनाएं मौजूद हैं। अब इस खोज का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा ताकि संसाधनों की वास्तविक क्षमता का आकलन किया जा सके। इसके बाद इसे उत्पादन चरण की ओर आगे बढ़ाया जाएगा।

यह खोज ऑयल इंडिया लिमिटेड के लिए कई मायनों में अहम है। इससे कंपनी की विदेशी संपत्तियों का मूल्य बढ़ सकता है और भविष्य में उत्पादन शुरू होने पर नए राजस्व स्रोत खुल सकते हैं। साथ ही यह संकेत भी देता है कि कंपनी वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है।

'मेरे पास सिर्फ तीन रास्ते थे' : इस्तीफा देने के बाद राघव चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी, किए ये बड़े खुलासे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने और बीजेपी का दामन थामने के दौरान राघव चड्ढा एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो के जरिए राघव ने खुलकर अपनी बात रखी है। इसी के साथ उन्होंने पार्टी की मौजूदा स्थिति में भी गंभीर सवाल उठाए हैं। राघव ने कहा कि वो एक गलत पार्टी में सही आदमी थे। इसी के साथ राघव ने कहा कि जिस पार्टी को उन्होंने इतने साल वह अब बदल चुकी है। राघव चड्ढा ने भावुक होते हुए अपनी राजनीतिक यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि युवावस्था के तकरीबन 15 साल आप पार्टी को दिए। उन्होंने किसी मकसद के साथ राजनीति में कदम रखा था। लेकिन अब उन्होंने दावा किया है कि वो पार्टी पहले जैसी नहीं रही उनके अनुसार वो अब जहरीली हो गई है। अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि पार्टी में काम करने और अपनी बात रखने की आजादी भी सीमित है। वे अपनी इच्छानुसार काम नहीं कर सकते और न ही बोल सकते हैं।

राघव ने अपनी पुरानी पार्टी के साथियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वे अपने निजी लाभ को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने आरोप लगाया पार्टी की कमान भ्रष्ट लोगों के हाथों में चली गई है। राघव चड्ढा ने कहा कि उनके पास 3 ऑप्शन थे। पहला राजनीति छोड़ना, दूसरा पार्टी में ही रहकर बदलाव करना या तीसरा पार्टी में रहकर बदलाव की कोशिश करना या किसी नए मंच से आगे बढ़ना। उन्होंने कहा कि उन्होंने तीसरा ऑप्शन सही लगा, इसलिए इसका चुनाव किया।

पश्चिम बंगाल में खिलेगा भाजपा का कमल : नवीन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत होगी और वहां भाजपा का 'कमल' खिलने जा रहा है। नवीन ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को परिश्रम व पुरुषार्थ करने की नसीहत देते हुए कहा कि हमें राजनीति में 'शार्टकट' से बचना है। उन्होंने कहा कि आरक्षण संबंधी 'नारी शक्ति वंदन अभिनियम' को भाजपा निश्चित रूप से समय आने पर पूरा करेगी। वे राजस्थान के टोंक शहर में पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अंग से लेकर बंग तक और अब कलिंग तक अब भारतीय जनता पार्टी का शासन तो बढ़ रहा है लेकिन हमें अभी और भी आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल में भी जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने परिश्रम किया है, वहां जिस प्रकार से मेहनत की है और पश्चिम बंगाल की जनता जिस प्रकार से वहां के शासन के खिलाफ सड़कों पर आई है... मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि चार मई (मतगणना के दिन) को पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलने जा रहा, भगवा लहराने जा रहा है।'

उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की जनता वहां की शासन व्यवस्था से त्रस्त थी। उन्होंने कहा, 'मां, माटी और मानुस के नाम पर जो सरकार आई थी उन्होंने वहां पर मां, माटी और मानुस के साथ बेईमानी करने का काम किया।' नवीन ने कहा, 'लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं के संघर्ष और बलिदान से अब वह समय आ गया है कि जब वहां मतदान होगा तो आप मानकर चलिए कि भाजपा की प्रचंड बहुमत से सरकार बनने जा रही है।' संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण से जुड़े नारी शक्ति वंदन अधिनियम के मुद्दे पर उन्होंने कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा और उन पर महिलाओं का हक छीनने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'हम नारी वंदन के माध्यम से महिलाओं को उनकी हिस्सेदारी को, उनके हक को बढ़ाने का काम कर रहे तो उसको रोकने का काम कांग्रेस के साथियों ने किया।' उन्होंने कहा, ''यहां जो भी कांग्रेस के नेता होंगे उनसे जाके पूछिए क्यों उन्होंने माता बहनों का हक़ छीना। उनको जवाब देना होगा।'' नवीन ने कहा, 'उन्होंने मां बहनों का हक़ छीना है तो उनकी लड़ाई के लिए हम तैयार है। भाजपा के नेता नरेन्द्र मोदी जब जब कोई संकल्प करते है तो उसको सिद्धि तक पहुंचते है।

भाजपा का नेतृत्व ही महिलाओं के उस अधिकार को दिलाएगा और नारी वंदन अधिनियम को निश्चित रूप से समय आने पर हम पूरा करेंगे।' पार्टी के कार्यकर्ताओं पुरुषार्थ व परिश्रम करने का आह्वान करते हुए नवीन ने कहा, 'हमें अपने कालखंड का परिश्रम व पुरुषार्थ करना है। हमें राजनीति में 'शार्टकट' से बचना है। राजनीति कोई 'सौ मीटर की दौड़' नहीं है जहां पर गति की परीक्षा होती हो, राजनीति 'लंबी दौड़' है जहां पर क्षमता (स्टोमिना) की परीक्षा होती है। इसलिए हमें अपने पूरे निरतर भाव से मेहनत व परिश्रम से अपनी पार्टी को हर दिन नए मुकाम न उंचाई तक ले जाने का संकल्प लेना है।'

उन्होंने कहा, 'हमें भाजपा को विश्व की केवल बड़ी पार्टी ही नहीं विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय पार्टी भी बनाना है। हमारे नेता नरेन्द्र मोदी आज देश को ही नेतृत्व नहीं दे रहे, वे पूरे विश्व को एक दिशा दे रहे है। नए कार्यालय भवन के उद्घाटन की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'कार्यालय वो स्थान होता है, जिसके निर्माण से हममें संकल्प की भावना आती है। हमें किन विचारों के साथ आगे बढ़ना है, हमें किस कार्य पद्धति के साथ आगे बढ़ना है और हमारा ध्येय क्या है। कार्यालय, हमारे संकल्प और विचार का केंद्र होता है।' इस अवसर पर नवीन ने टोंक भाजपा जिला कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने बूंदी, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, चूरू, पाली एवं बाड़मेर जिला कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन किया तथा पार्टी के जालौर जिला कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास किया।

किसान सभा ने पावर हाउस पर प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन एसडीओ को सौंपा

विष्णुकांत पाण्डेय (मोनू)

कोरांव, प्रयागराज। अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमेटी प्रयागराज और उत्तर प्रदेश किसान सभा के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कोरांव स्थित विद्युत उपकेंद्र पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन एसडीओ विद्युत कोरांव को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व भारतीय किसान सभा जिला कमेटी के जिलाध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने किया। सौंपे गए ज्ञापन में किसानों की बेमौसम बारिश , ओलावृष्टि और आगजनी से बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे की मांग प्रमुख थी। इसके अतिरिक्त , ग्राम पंचायत स्तर पर क्रय केंद्र खोलकर किसानों से एमएसपी दर पर गेहूं खरीद सुनिश्चित करने, मनमाने भूमि अधिग्रहण और प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने की मांग की गई।

कार्यकर्ताओं ने निजीकरण के लिए लाए बिजली विधेयक 2022 और मजदूर विरोधी चार श्रम कोड वापस लेने की भी अपील की। ज्ञापन में दलित , महिला और अल्पसंख्यक उत्पीड़न पर रोक लगाने , स्कीम वर्कर्स, संविदा व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को न्यूनतम 26000 रुपए प्रति माह वेतन देने की मांगे भी शामिल थी। नोएडा में आंदोलनरत मजदूरों पर पुलिस उत्पीड़न तत्काल बंद कराने और बिजली संविदा कर्मचारियों को स्थाई करने की भी मांग की गई। इसी तरह क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित कुल सात सूत्रीय ज्ञापन भी उपखंड अधिकारी कोरांव को सौंपा गया। एसडीओ विद्युत कोरांव चंद्रशेखर आजाद ने सोमवार दोपहर करीब 2 बजे ज्ञापन स्वीकार किया और उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपते समय भगवत प्रसाद सहित अखिल भारतीय किसान सभा और उत्तर प्रदेश किसान सभा के कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 : गंगानगर जोन में महिला सुरक्षा का सशक्त अभियान तेज

बाजारों, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंची पुलिस टीम, दी विस्तृत जानकारी

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के तहत गंगानगर जोन में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त महोदय एवं अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में यह अभियान प्रभावी ढंग से संचालित हुआ।

सोमवार को गंगानगर जोन के समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों और मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सक्रियता दिखाते हुए प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान टीमों ने महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों के साथ-साथ सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। अभियान के दौरान विशेष रूप से बालिकाओं और छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी से बचाव और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सतर्कता बरतने के महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए। टीम ने स्पष्ट रूप से बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत डायल-112 या मिशन शक्ति टीम से संपर्क करें।

मिशन शक्ति टीमों ने महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–पुलिस आपात सेवा 112, वूमेन पावरलाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, सीएम हेल्पलाइन 1076 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930–की जानकारी विस्तार से दी। साथ ही, मिशन शक्ति केंद्रों के बारे में बताते हुए पम्पलेट वितरित कर महिलाओं को सहायता सेवाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया। इस सघन अभियान के माध्यम से गंगानगर जोन पुलिस ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की समस्या में पुलिस हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

आगजनी में किसान की क्षति होने पर तहसील प्रशासन से भरपाई की गुहार

शौर्य भारत संवाददाता

कोरांव (प्रयागराज)। तहसील कोरांव के बरौंहा गांव में सोमवार को दोपहर में अचानक बिजली के शार्ट सर्किट से खेत में आग लगने के कारण न केवल पशुओं का निवाला खाक हो गया बल्कि किसान के खेत में लगा सबमर्सिबल पंप व उसकी पाइप समेत कई अन्य सामान राख में तब्दील हो गया। बरौंहा गांव निवासी अधिवक्ता विंध्यवासिनी प्रसाद शुक्ल पुत्र शंभू नाथ शुक्ल के खेत में सोमवार को दोपहर लगभग एक बजे बिजली के शार्ट सर्किट की चिंगारी गिरने से देखते ही देखते काफी क्षेत्र को अपनी जद में ले लिया। घटना में अधिवक्ता शुक्ल के फिटबोर में डालने के लिए 6 इंच की क्रेसिंग पाइप लगभग 5 नग व सबमर्शिबल का तार रस्सी जलने के वजह से 3 हॉर्स पावर का सबमर्शिबल बोर में जलकर गिर गया। सबमर्शिबल की 90 फीट पाइप आदि जलकर राख होने के साथ 10 बीघे के पशुओं का पुआल भी जल गया और आग गांव तक अपना पांव पसार ली। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया जाता रहा किन्तु देर शाम तक बढ़ती हुई आग पर काबू नहीं पाया जा सका। फिलहाल ग्रामीणों के साथ फायर ब्रिगेड आग पर काबू पाने की कोशिश में लगे रहे। मामले को लेकर गांव निवासी अधिवक्ता विंध्यवासिनी प्रसाद शुक्ल ने उप जिलाधिकारी कोरांव को प्रार्थना पत्र देकर दैवीय आपदा के तहत मुआवजा भुगतान की मांग किया है।

शंकरगढ़ क्षेत्र में किसान के घर में लगी आग से लाखों का हुआ नुकसान

शौर्य भारत संवाददाता

शंकरगढ़ (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के सोनपुरा (जिगना) गांव निवासी शिवसजीवन त्रिपाठी के घर में अज्ञात कारणों से लगी आग से घर के अंदर रखा हुआ अनाज सहित सिंचाई संबंधित सामान जलकर खाक हो गया। जिससे लाखों का नुकसान हो गया। जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। क्षेत्र के सोनपुरा जिगना गांव निवासी शिवसजीवन त्रिपाठी के खेत में पड़े गेहूं के डंठल में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग धीरे-धीरे फैलती गई। जिसकी जानकारी लोगों ने स्थानीय पुलिस व दमकल विभाग को दी। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की दो गाड़ियों व ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक घर पर रखा लगभग 70 कुंतल गेहूं, चना, सरसों, भूसा, सबमर्सिबल एवं सिंचाई हेतु पाइप जलकर राख हो गए। किसान के अनुसार आग से लगभग 8 लाख का नुकसान हुआ। मौके पर थाना शंकरगढ़ पुलिस व हल्का लेखपाल मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में युवक का शव नहर की पटरी पर मिला पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

शौर्य भारत संवाददाता

मऊआइमा। थाना क्षेत्र के ग्राम गढचम्पा निवासी अजय कुमार 22 वर्ष पुत्र विजय कुमार आर्केस्ट्रा में डांसर हैं। बताया गया है कि वह रविवार को घर आया फिर फोन से बातें करते हुए शारदा सहायक नहर के पास चला गया। शाम को गांव के एक युवक ने बताया कि अजय कुमार नहर की पटरी के निकट बेहोश पडा है। परिजन भाग कर गए और अजय कुमार को अस्पताल ले गए परन्तु उसकी मौत हो गई थी। अजय का शव लाकर घर पर रख दिए।देर रात अजय के बड़े भाई घनश्याम ने मऊआइमा थाना में भाई की संदिग्ध मौत होने और पोस्टमार्टम कराने की बात लिख कर दी। जिसपर पुलिस ने सोमवार को सुबह अजय के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया है कि मृतक तीन बहनों एक बडे भाई में सबसे छोटा था।वह आर्केस्ट्रा में डांसर था। ग्रामीणों का आरोप है कि अजय के गले में काला निशान है।जिसकी हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

घर में घुसकर तोड़फोड़ मार पीट सात के खिलाफ एफआईआर

शौर्य भारत संवाददाता

मऊआइमा। थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसई सिपाह निवासनीय रिजवाना बानों, नजमा बानों का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी एक राय होकर घर में घुसकर तोड़फोड़ फोड किए। विरोध पर लाठी डंडा से मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए तथा गालियां देते हुए भाग गए।नजमा बानों और रिजवाना बानों को चोटें आयी है। पुलिस ने गांव के आशिक अली, जिशान अली, मोहम्मद अरबाज , शहबाज, कैफियत बानों, शाहीन बानों, रेशमा बानों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कर ली है।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय गाढ़ा कटरा की पुरा छात्रा हुई सम्मानित

शौर्य भारत संवाददाता

शंकरगढ़ (प्रयागराज)। क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय गाढ़ा कटरा की पुरा छात्रा को हाईस्कूल की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

उच्च प्राथमिक विद्यालय गाढ़ा कटरा शंकरगढ़ की पुरा छात्रा शैल कुमारी जो राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शंकरगढ़ में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 81.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय गाढ़ा कटरा के सभी शिक्षकों द्वारा अपनी पुरा छात्रा को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर बधाई दिया गया और उन्हें विद्यालय में सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वालों में प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष व प्रधानाध्यापक बृजेश सिंह, अर्चना गुप्ता, अनीता भारतीय आदि रहे।

नैनी विद्युत भंडार केंद्र (स्टोर) में लगी आग, मचा हड़कंप, मजदूरों ने जान हथेली पर रखकर आगजनी की बड़ी घटना को बचाया

बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी थी आग, भारी नुकसान होने से बचा

शौर्य भारत संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी विद्युत भंडार केंद्र स्टोर में सोमवार को आग लगने से भारी हड़कंप मचा रहा। मजदूरों ने जान हथेली पर रखकर फैल रही आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। जिससे एक बहुत बड़ी घटना होते-होते टल गई। फायर विभाग के कर्मचारियों ने घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाए। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित टीएसएल कंपनी गेट के समीप स्थापित नैनी विद्युत भंडार केंद्र (स्टोर), जो पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड वाराणसी मुख्यालय से जुड़ा हुआ है। उक्त स्टोर में नए और पुराने सहित महाकुंभ व माघ मेले से जुड़े करोड़ों करोड़ों रुपए के विद्युत उपकरण को रखा गया है। सोमवार दोपहर बाद स्टोर से जुड़े स्टील यार्ड के बाउंड्रीवॉल के समीप लगभग 2:30 बजे अचानक धुआं निकलते हुए मजदूरों देखा। देखते ही देखते आग चारों तरफ फैलने लगी। जिससे मजदूरों और कर्मचारियों में भारी हड़कंप मच गया। स्टोर और वर्कशॉप से जुड़े मजदूरों व कर्मचारियों की टीम ने फैल रही आग को काबू करने के लिए वहां पर मौजूद फायर सिस्टम से आग को बुझाने लगे। काफी हद तक वह सभी आग पर काबू पा चुके थे। यदि आग फैलती तो स्टोर जुड़े स्टील यार्ड व वर्कशॉप पूरी तरह से राख में तब्दील हो सकता था।

यानी कि करोड़ों करोड़ों रुपए के ट्रांसफार्मर सहित विद्युत उपकरण पूरी तरह से जलकर राख हो सकता था, लेकिन स्टोर और वर्कशॉप से जुड़े मजदूरों ने अपनी जान को हथेली पर रखकर मौजूद फायर सिस्टम से आग पर लगभग पूरी तरह से काबू पाने में कामयाब हो चुके थे। जिससे एक बड़ी आगजनी की घटना को मजदूरों और कर्मचारियों की फौज द्वारा अथक प्रयास से बचाने में कामयाब रहे। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारी दमकल लेकर पहुंचे और घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाए। बताते हैं कि जिस स्थान पर आग लगी थी। यानी कि स्टोर से जुड़े स्टील यार्ड में रोशनी के लिए एलईडी लगी हुई है। केबिल में अचानक शार्ट सर्किट होने से वहां पर आग लगने की बात बताई जा रही है। सूचना मिलने पर संबंधित अधिशासी अभियंता कुलदीप यादव दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घटित घटना की जांच पड़ताल करते हुए बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी और सही समय रहते ही कर्मचारियों की टीम ने साहस का परिचय देते हुए कड़ी मशक्कत के बाद फैल रही आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। जिससे भारी पैमाने पर विद्युत उपकरणों को बचाने में कामयाब रहे। हालांकि मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने भी घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाए। तब कहीं जाकर विभागीय कर्मचारी और अधिकारियों ने राहत की सांस लिए। जबकि आग चपेट में आने से महाकुंभ से वापसी विद्युत उपकरण गार्ड वायर का नुकसान होना बताया जा रहा है। हालांकि भारी पैमाने पर उपकरण आगजनी की भेंट चढ़ने से पूरी तरह से बच गया।

मलहरा फाटक पर बने ओवर ब्रिज के सीढ़ी पर चढ़ रहे युवक को गर्मी से आया चक्कर

शौर्य भारत संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली अंतर्गत रविवार दोपहर के करीब एक युवक मलहरा फाटक पर बने ओवर ब्रिज के सीढ़ियों पर चढ़ कर नैनी स्टेशन रोड की ओर से एफसीआई की ओर जा रहा था, उसी बीच युवक को गर्मी के कारण चक्कर आ गया और वह सीधा ऊपर से नीचे जमीन पर आ गिरा जिससे उसका दोनों पैर टूट गया। जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से परिजनों को जानकारी दी गई, मौके से पहुंचे परिजन एडीए स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया। मिली जानकारी के अनुसार जेल रोड निवासी दीपक गौड़ पुत्र लल्लू प्रसाद गौड़ रविवार को किसी कार्य से नैनी स्टेशन रोड की ओर से मलहरा फाटक पर बने ओवर ब्रिज की सीढ़ियों पर चढ़कर एफसीआई की ओर जा रहे थे उसी बीच दीपक को गर्मी के कारण चक्कर आ गया और वह ऊपर से नीचे की ओर जमीन पर गिर पड़े जिससे उनका दोनों पैर टूट गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से परिजनों को जानकारी दी गई।

अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है : ग्राम प्रधान सुनीता सिंह

विनय कुमार साहू

शंकरगढ़ (प्रयागराज)। क्षेत्र के न्यू चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल सिंधी टोला के छात्र व छात्राओं द्वारा हाईस्कूल की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए जाने पर छात्र व छात्राओं को मिठाई खिलाकर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को मेडल पहनाकर, प्रमाणपत्र देकर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनका मुंह मीठा कराकर उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि कारियाखुर्द की ग्राम प्रधान सुनीता सिंह ने कहा कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने सभी मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और गर्व व्यक्त किया कि विद्यालय के तीनों टॉपर इसी ग्राम पंचायत के हैं। विद्यालय के टॉपर अतुल सिंह 92.3 प्रतिशत, रागिनी सिंह 91.5 एवं आंचल 91.1 प्रतिशत अंक प्राप्तकर अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और अभिभावकों को दिया। विद्यालय के प्रबंधक प्रकाश चंद्र मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो जीवन को नई दिशा देता है। उन्होंने सभी छात्रों को निरंतर आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर अनुज मिश्रा, शिक्षिका शीतल सिंह, नीतू सिंह, सोनम सिंह आदि रहे।

श्री कोचिंग क्लासेज के हाईस्कूल व इंटर के छात्र छात्राओं ने मारी बाजी

शौर्य भारत संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी बाजार स्थित श्री कोचिंग क्लासेज के हाईस्कूल व इंटर के छात्र छात्राओं ने बाजी मारी है। हाईस्कूल के छात्र प्रिंस गौर ने 100 में 100 अंक गणित बिषय में लाकर यह कीर्तिमान अपने कोचिंग के निदेशक श्रारिका तिवारी व गणित के (एच ओ डी) अमन सर के सिर पर ताज बांधने का काम किया है, वहीं श्री कोचिंग की छात्राएं भी लड़को से पीछे नहीं रहीं, प्रियंका गौर भी 84इ पाकर सारा श्रेय कोचिंग के निदेशक को दिया है। तनु गुप्ता जो कि 74इ पाकर खुशी जाहिर किया, कोचिंग के निदेशक श्रारिका तिवारी ने सभी संस्थान के बच्चों को मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने कोचिंग की जमकर तारीफ की है।

शुआटस में वेतन की मांग को लेकर भारी हंगामा, नारेबाजी, तोड़फोड़

शुआट्स 8 मई तक बंद, ऑनलाईन कक्षाएं होंगी आयोजित

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। डा. रमाकान्त दूबे, चेयरमैन, शुआट्स मीडिया कमेटी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि दिनांक 27.04.2026 को शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचरियों द्वारा वेतन की मांग को लेकर मुख्य द्वार पर ताला डालकर प्रदर्शन किया जा रहा था। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उन्हें समझाने का प्रयास किया गया तथा एक सप्ताह के भीतर दो माह का वेतन दिये जाने का आश्वासन दिया गया। किन्तु इसी दौरान विश्वविद्यालय से हटाये गये शिक्षकगणों ने कतिपय विश्वविद्यालय स्टाफ के साथ तोड़ फोड़ की, विश्वविद्यालय अधिकारियों को बंधक बना लिया। कुलपति कैम्प कार्यालय का दरवाजा तोड़कर जबर्दस्ती अंदर घुस गये, सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये गये। इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को सूचित कर दिया गया। छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन में किसी प्रकार का व्यवधान न हो और अधिकारियों व कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये, इसलिये विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा समस्त कक्षाओं को ऑन-लाईन आयोजित करने तथा विश्वविद्यालय को दिनांक 28-04-2026 से दिनांक 08-05-2026 तक बंद किये जाने का निर्णय लिया गया है।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएँ, निष्पक्ष जाँच के दिए निर्देश

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस कार्यालय में सोमवार को पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने जनसुनवाई का आयोजन किया, जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित एवं निष्पक्ष जाँच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, ताकि पीड़ित को वास्तविक न्याय एवं राहत मिल सके। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक मामले का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर का हाल बेहाल

कौशाम्बी। सरसावां ब्लॉक के शाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बाउंड्रीवॉल लगभग डेढ़ साल से टूटी हुई है। इसके चलते अस्पताल परिसर में क्षेत्र के अन्ना मवेशियों का जमावड़ा रहता है। मवेशियों के रहने के कारण अस्पताल आने वाले मरीजों के साथ हादसे का खतरा बना रहता है। जिम्मेदार हैं कि टूटी बाउंड्रीवॉल का निर्माण नहीं करा रहे हैं। यमुना की तराई में खुले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में इलाके के कई गांवों के मरीज इलाज कराने के लिए पहुंचते हैं। परिसर की बाउंड्रीवाल टूटने के कारण वहां पर अन्ना मवेशियों का जमघट लगा रहता है। ऐसे में परिसर में गंदगी होने के साथ-साथ अन्ना मवेशियों के हमले का भय अस्पताल आने वाले मरीजों व तीमारदारों को बना रहता है।

इतना ही नहीं ड्यूटी पर रहने वाले कर्मचारियों को चोरी का डर बना रहता है। चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रसून के अनुसार निर्माण के दो वर्ष में ही बाउंड्रीवॉल हवा चलने से पलट गई। मामले की जानकारी महकमे के जिम्मेदारों को दी गई है, पर आज तक पुनर्निर्माण नहीं कराया जा सका है। इसके अलावा अस्पताल जाने वाला रास्ता भी खराब होने से एंबुलेंस एवं मरीजों को काफी परेशानी होती है। वार्ड ब्वॉय न होने से आगंतुक मरीजों को कभी-कभी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिम्मेदार हैं कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की समस्याओं को लेकर अनजान बने बैठे हैं। शाहपुर समेत कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की बाउंड्रीवाल टूटी है। इसका आंकलन कराकर निदेशालय को रिपोर्ट भेजी गई है। उम्मीद है कि 15 मई के बाद धनराशि मिलते ही निर्माण करा दिया जाएगा। वार्ड ब्वॉय की भी जल्द नियुक्ति करा दी जाएगी।-डॉ. संजय कुमार, सीएमओ

बस से पहुंचे विद्यार्थियों ने उपकेंद्र घेरकर की नारेबाजी

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। रानी देवी भैयालाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंड़ावी के विद्यार्थियों ने सोमवार को घटमापुर विद्युत उपकेंद्र का घेराव किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की। स्कूल की सप्लाई बाधित होने से आक्रोशित विद्यार्थी उपकेंद्र का घेराव करने के लिए बस से पहुंचे थे। रानी देवी भैयालाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंड़ावी की विद्युत सप्लाई बाधित थी। प्रधानाचार्य दशरथ लाल पटेल लगातार लाइनमैन को इसकी जानकारी दे रहे थे और लाइन जोड़ने के लिए कह रहे थे, लेकिन लाइनमैन सुन ही नहीं रहा था। सोमवार को छात्र-छात्राएं स्कूल पहुचीं तो पीने के लिए उन्हें पानी नहीं मिला। बूंद-बूंद पानी को बच्चे तरस गए। पंखा आदि भी सब बंद पड़ा था। उन्होंने प्रधानाचार्य से इस बात की शिकायत की। इससे नाराज प्रधानाचार्य छात्र व छात्राओं को स्कूल की बस में बैठाकर घटमापुर विद्युत उपकेंद्र पहुंच गए। उपकेंद्र पहुंचे विद्यार्थियों ने घेराव करते हुए नारेबाजी की। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर उन्होंने एतराज जताते हुए जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल कराने की मांग की। जेई अयोध्या प्रसाद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लाइनमैन को भेजकर आपूर्ति चालू करवाई। इसके बाद बच्चों को लेकर प्रधानाचार्य स्कूल वापस गए।

पड़ोसन ने युवक को पीटा, केस दर्ज

कौशाम्बी। कोखराज कोतवाली के मकदूमपुर काजी निवासी बलराम ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि रविवार को वह घर के समीप लगे हैंडपंप पर पानी भरने गया था। हैंडपंप पर पहले से पड़ोस की कविता पत्नी दयाराम कपड़े धुल रही थी। उसने कहा कि कपड़े बाहर धुला करो, इससे गंदगी हो रही है। इसी बात को लेकर उसने गाली-गलौज शुरू कर दिया। विरोध किया तो अपने पति के साथ मिलकर उसको मारापीटा। किसी तरह मामला शांत हुआ। बलराम की तहरीर पर पुलिस ने पड़ोसी दंपती के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

फांसी पर लटकी मिली किशोरी की लाश

कौशाम्बी। पश्चिमशरीरा थाना क्षेत्र के कोइली का पूरा गांव में सोमवार को घर के भीतर किशोरी का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने देखा तो हाहाकार मच गया। पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कोइली का पूरा गांव की सुमन देवी (15) पुत्री बुधराज की संदिग्ध परिस्थितियों में घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटकी लाश मिली। परिजनों ने किशोरी को बचाने का प्रयास किया था, लेकिन सफलता नहीं मिली। बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी हो रही थी, लेकिन उससे पहले ही जानकारी होने पर पुलिस पहुंची। पूछताछ के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटनास्थल की फोरेसिंक टीम ने भी बारीकी से जांच की है। कई साक्ष्य भी इकट्ठा किए गए हैं। लोग घटना को संदिग्ध मान रहे हैं। पश्चिमशरीरा एसओ हरिश तिवारी का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ हो जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो घायल

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अटसरॉय निवासी अनिल कुमार मोदनवाल अपने साथी शुभम मोदनवाल के साथ रविवार की रात बाइक से खागा निमंत्रण में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बाइक सवार जैसे ही छीमी पुरइन गांव के नजदीक पहुंचे तभी प्रयागराज की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रक चालक ने पीछे से बाइक में टक्कर मारकर फरार हो गया। हादसे में बाइक सवार दोनों गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को एनएचएआई के एंबुलेंस से सैनी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

पत्नी की हत्या कर संदूक में रखकर फेंका शव, आरोपी पति सहित दो गिरफ्तार

थाना कोखराज पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम को मिली सफलता

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। थाना कोखराज इलाके में एक महिला का शव संदूक में भरा मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मचा गया। जानकारी मिलने के बाद घटना स्थल पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस के काफी मशक्कत के बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी।घटना 15 अप्रैल की 30 वर्षीय महिला का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिए भेज दिया, पोस्टमार्डम रिपोर्ट आने के बाद महिला की हत्या किए जाने का मामला सामने आया, पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने टीम गठित कर कार्यवाही के निर्देश दिए, जांच पड़ताल में सामने आया कि मृतका का पति हर्ष खीयानी पुत्र सुरेश खीयानी अपने साथी यश गुप्ता जनपद कानपुर के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जांच पड़ताल में सामने आया है कि आरोपी हर्ष खियानी की मृतका महिला दूसरी पत्नी थी, इससे आरोपी 3 वर्ष पहले मिला था, जब पत्नी घर वाले से मिलने का पति से दबाव बनाने लगी तो आरोपी हर्ष ने पहली पत्नी व समाज के डर से अपने साथी के साथ मिलकर दूसरी पत्नी की हत्या कर शव को फेंके जाने का जुल्म कुबूल किया है।

वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सतनारायण प्रजापत के निर्देश में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाई जा रहे हैं अभियान के क्रम उप निरीक्षक योगेश कुमार यादव ने मय हमराह पुलिस बल के साथ अभियुक्त सुग्रीव पुत्र गणेशदीन कुशवाहा निवासी थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रेषित किया है।

होमगार्ड्स परीक्षा केंद्रों का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण व्यवस्थाओं का लिया जायजा

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने रविवार को उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स नामांकन परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से एस.ए.वी. इंटर कॉलेज सैनी सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का औचक भ्रमण किया।

ज्ञात हो कि भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने स्थैतिक दंडाधिकारियों से परीक्षार्थियों की संख्या एवं सीसीटीवी निगरानी की जानकारी ली और निर्देश दिए कि परीक्षा दिशानिर्देशों के अनुरूप सम्पन्न कराई जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड़ को निर्देशित किया कि परीक्षार्थियों के लिए पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ, जिससे किसी को भी असुविधा न हो। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सत्येन्द्र कुमार तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दिव्यांग बुजुर्ग की मौत, शिनाख्त में जुटी पुलिस

शौर्य भारत संवाददाता

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक दिव्यांग बुजुर्ग की जान चली गई। यह घटना सिकंदरपुर बजहा गाँव के सामने जीटी रोड किनारे हुई। सुबह करीब सात बजे राहगीरों ने सड़क किनारे एक दिव्यांग बुजुर्ग को मृत अवस्था में पड़ा पाया। पास में उसकी टूटी साइकिल भी मिली, जिससे अज्ञात वाहन की टक्कर की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इंद्रदेव पुलिस टीम सहित मौके पर पहुँचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जाँच में अज्ञात वाहन की टक्कर से मृत्यु की पुष्टि हो रही है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत इच्छुक पंजीकृत स्वैच्छिक संस्था/ट्रस्ट परियोजनाओं/कार्यक्रमों के संचालन के लिए करें आवेदन

कौशाम्बी। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास वर्मा ने अवगत कराया है कि निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अधीन पंजीकृत गैर सरकारी स्वैच्छिक संस्थायें/ट्रस्ट द्वारा अर्लीइण्टरवेंशन सेण्टर, डे-केयर सेण्टर/प्री-प्राइमरी स्कूल, प्राइमरी स्कूल स्तर के विशेष विद्यालयों का संचालन, जूनियर हाईस्कूल स्तर तक के विद्यालयों का संचालन, हाईस्कूल स्तर तक के विशेष विद्यालयों का संचालन, कौशल विकास (अधिकतम 04 ट्रेड तथा न्यूनतम 02 ट्रेड) एवं पाठ्य सामग्री विकास एवं पुस्तकालयों के संचालन में सहायता अनुदान देते हुए योजना के क्रियान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया है कि जनपद में दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत इच्छुक पंजीकृत स्वैच्छिक संस्था/ट्रस्ट इन परियोजनाओं/कार्यक्रमों के संचालन के लिए निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण कर हार्डकापी 02 प्रतियों में दिनांक 25 मई, 2026 तक विकास भवन में कक्ष संख्या-18 स्थित उनके कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। योजना का विस्तृत विवरण एवं आवेदन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाइट uphwd.gov.in से डाउनलोड अथवा उनके कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

बड़ा उदासीन अखाड़ा के सभी बैंक खाते सीज

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। बड़ा उदासीन अखाड़ा के सभी बैंक खाते सीज कर दिए गए हैं। कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म सोसाइटी चिट्स एंड फंड्स ने अखाड़े के बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाई है। इस आदेश की सूचना के बाद अखाड़े के संतों में खलबली मच गई है।अखाड़े में संतों के बीच विवाद के कारण बैंक खाते सीज करने की बात सामने आ रही है। सहायक रजिस्ट्रार फर्म सोसाइटी चिट्स एंड फंड्स ने अपने आदेश में अखाड़े के जरूरी खर्च के लिए बैंक से राशि निकालने के लिए अनुमति लेने की शर्त रखी है। हालांकि सहायक रजिस्ट्रार के आदेश की प्रति अखाड़े के संतों तक नहीं पहुंची है।

बताते हैं कि दो संतों ने एक संत के गुट पर अखाड़े की संपत्ति का दुरुपयोग करने का रजिस्ट्रार के सामने आरोप लगाया था।अखाड़े में दो गुटों के बीच विवाद की सुनवाई के बाद सहायक रजिस्ट्रार मनोज कुमार के कार्यालय ने अखाड़े के देशभर के सभी बैंक खाते को सील करने का आदेश जारी कर दिया। संतों के बीच विवाद और बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगने के बाद अब अखाड़े की व्यवस्था देखने के लिए रिसीवर नियुक्त करने की भी चर्चा है। अखाड़े के महंत दुर्गादास ने बताया कि सहायक रजिस्ट्रार ने शर्तों के साथ रोक लगाई है। बैंक खाते से जरूरत के लिए राशि निकाल सकते हैं। कोई खरीद नहीं कर सकते।

विवादित जमीन पर निर्माण के विरोध में हमला

प्रयागराज। विवादित जमीन पर निर्माण कराने का विरोध करने पर युवक पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। अधिवक्ता दिव्य प्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि विपक्षी सतीश चंद गुप्ता ने करीब 50 लोगों के साथ 26 अप्रैल की सुबह से शाम तक विवादित भूमि पर जबरन निर्माण कार्य कराया। आरोपियों ने मौके पर पहुंचे त्रिपत यादव पर ईंट और धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिवक्ता ने मुकदमा दर्ज कराया है।

हाईकोर्ट ने नाबालिग पीड़िता की उम्र निर्धारण पर उठाए सवाल, बार मेंबर्स से मांगा सहयोग

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अपराधिक अपील की सुनवाई के दौरान पॉक्सो एक्ट और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत पीड़िता की उम्र के निर्धारण से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानूनी सवाल उठाए हैं। कोर्ट इन प्रश्नों पर अगली सुनवाई पर विचार करेगी। विधि प्रश्नों के समाधान के लिए कोर्ट ने इस मामले में अपीलार्थी के अधिवक्ता के साथ ही एजीए प्रथम परितोष कुमार मालवीय को सहयोग करने के लिए कहा है। इसके अलावा बार के सदस्य अधिवक्ताओं से भी इन कानूनी प्रश्नों पर न्यायालय का सहयोग करने के लिए कहा है। अर्थात कोई भी अधिवक्ता इन प्रश्नों पर न्यायालय में अपने विचार रख सकता है। रामकिशुन उर्फ पप्पू की क्रिमिनल अपील पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति डीसी सामंत की खंडपीठ के समक्ष यह मामला आया। जिसमें प्रारंभ में भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान धारा 376 आईपीसी और पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 भी जोड़ी गईं और इसी आधार पर आरोप पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़िता की उम्र का निर्धारण इस मामले का केंद्रीय मुद्दा है। अदालत ने भी इस पर सहमति जताते हुए कई महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न निर्धारित किए, जिन पर आगे सुनवाई होगी।

क्या जुवेनाइल जस्टिस (बाल न्याय) अधिनियम की धारा 94 के कारण आईपीसी और पॉक्सो अधिनियम के तहत होने वाली जांच की सीमा प्रभावित होती है?

क्या पॉक्सो अधिनियम की धारा 27 और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164-ए के प्रावधान पुलिस जांच को, विशेषकर पीड़िता की चिकित्सकीय उम्र निर्धारण के संदर्भ में, दिशा प्रदान करते हैं?

यदि जांच अधिकारी या अभियोजन पक्ष मेडिकल आयु प्रमाण प्रस्तुत नहीं करते, तो इसका ट्रायल पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

क्या ट्रायल कोर्ट, जुवेनाइल जस्टिस अधिनियम की धारा 94 के आधार पर, मेडिकल रिपोर्ट को नजरअंदाज कर सकता है?

क्या पॉक्सो अधिनियम के तहत अभियुक्त के अधिकार किसी प्रकार से सीमित होते हैं?

पॉक्सो और आईपीसी के तहत चल रहे मुकदमों में नाबालिग पीड़िता को जुवेनाइल जस्टिस अधिनियम के तहत कौन-कौन से सहयोग और सुरक्षा उपाय उपलब्ध हैं?

अदालत ने इन सभी प्रश्नों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए मामले को 28 अप्रैल 2026 को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। साथ ही, न्यायालय ने अधिवक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे इन जटिल कानूनी मुद्दों पर अपनी विशेषज्ञ राय देकर न्यायालय की सहायता करें। यह मामला भविष्य में पॉक्सो अधिनियम और नाबालिग पीड़ितों से जुड़े मामलों में उम्र निर्धारण की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण दिशानिर्देश तय कर सकता है।

अंतिम दिन 6600 अभ्यर्थियों ने छोड़ी होमगार्ड भर्ती परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती की तीन दिवसीय लिखित परीक्षा सोमवार को संपन्न हो गई। अंतिम दिन भी अभ्यर्थियों की उपस्थिति अपेक्षा से कम रही। सोमवार को कुल 28,032 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। इनमें से 21,432 अभ्यर्थी ही परीक्षा देने पहुंचे। 6,600 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। प्रशासन ने परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। नगर क्षेत्र में 31, गंगापार में दो और यमुनापार में चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। अभ्यर्थियों को केंद्र में प्रवेश से पहले सघन जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। सभी केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। हर परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही थी।

बीएसए अनिल कुमार के औचक निरीक्षण में हुआ खुलासा, छह माह से शिक्षिका अनुपस्थित, निलंबित

प्रधानाचार्य को नोटिस, जांच बीईओ सहसों को

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। बीएसए अनिल कुमार ने कंपोजिट विद्यालय मधेशा, कौडिहार का निरीक्षण किया था। स्कूल की उपस्थित पंजिका देखने पर पता चला कि सहायक अध्यापक वंदना द्विवेदी बिना सूचना के अनुपस्थित हैं। वह पूर्व में भी कई साल से स्कूल नहीं आईं लेकिन उपस्थित पंजिका पर ओवर राइटिंग कर हस्ताक्षर उनके बनाए गए हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए बीएसए अनिल कुमार ने उनके व्यवहार को सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के विरुद्ध मानकर अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया है। इस मामले में विद्यालय की प्रधानाचार्य को कारण बताओं नोटिस जारी किया है कि जब शिक्षिका विद्यालय नही आती थी या आने के बाद रजिस्टर में ओवर राइटिंग करके हस्ताक्षर करती थी तो उसकी जानकारी वरिष्ठ अफसरो को क्यो नही दिया था। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि नवंबर- 2025 के पूर्व में विद्यालय से अनुपस्थित रहने के बावजूद निलंबित शिक्षिका ने ओवर राइटिंग और कटिंग करते हुए विद्यालय के रजिस्टर मे हस्ताक्षर बनाए। निलंबन अवधि में शिक्षिका कंपोजिट विद्यालय चिलौड़ा विकासखंड सहसों में उपस्थिति दर्ज करानी है। बीएसए ने प्रकरण की जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी, सहसों नामित किया गया हैं। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

अधिवक्ता संजय मिश्र बने राष्ट्रीय परशुराम सेना के महामंत्री, दी बधाई

शौर्य भारत संवाददाता

प्रयागराज। परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष / संस्थापक पं राजेश कृष्णकांत मिश्र, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पं शिवदत्त शुक्ल और जिला अध्यक्ष प्रयागराज के पं ओम प्रकाश दुबे की संस्तुति पर इलाहाबाद हाई कोर्ट अधिवक्ता संजय कुमार मिश्र को बड़ी जिम्मेदारी आज सौंपी गई है ।संगठन नेतृत्व ने अधिवक्ता संजय कुमार मिश्र को उत्तर प्रदेश महामंत्री पद पर मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शीर्ष नेतृत्व ने आशा व्यक्त की है कि वह अपने अनुभव व निष्ठा से ना केवल संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे , बल्कि ब्राह्मण समाज में एक नई ऊर्जा का संचार भी करेंगे ।नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री अधिवक्ता संजय कुमार मिश्र ने इस जिम्मेदारी के लिए संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि वह समाज के हितों की रक्षा और संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे । परशुराम सेना के शिवकांत मिश्र, कमलेश मिश्र , धर्मेंद्र पांडेय, मनीष (मुंशीजी) आदि ने नवनियुक्त महामंत्री संजय मिश्र को बधाई दी है।

भाजपा विभाजनकारी, धर्म, जाति, लिंग और भाषा के नाम पर कर रही राजनीति-सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन

प्रयागराज। नगर निगम के वार्ड 48 के उप चुनाव मे सपा उम्मीदवार दीपू सोनकर के समर्थन को लेकर सपा कार्यालय जार्ज टाउन मे पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक मे सपा के महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन ने कहा कि भाजपा देश मे विभाजनकारी राजनीति कर रही है। धर्म, जाति, लिंग, भाषा, क्षेत्र के नाम पर लोंगो मे विभेद पैदा करके अमन चैन बिगाड़ रही है।

महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पीडीए की मजबूती आगामी 2027मे प्रदेश मे सपा की सरकार बनाएगी।महानगर अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर सपा उम्मीदवार को जिताने की अपील करते हुए आवश्यक रणनीति पर भी चर्चा की।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संदीप यादव ने कहा कि दीपू सोनकर छात्र राजनीति से निकल कर आये हैं. संघर्ष ही इनकी पहचान है। महासचिव रविन्द्र यादव ने वार्ड मे घर घर, जन जन संपर्क अभियान को तेज करने की अपील की। बैठक मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ारहुसैन, संदीप यादव, प्रवक्ता दान बहादुर मधुर, दीपू सोनकर, रविंद्र यादव, अरुण यादव, बबलू रावत, आरती पाल, लाल चंद्र कुशवाहा, वजीर खा, आर एन यादव, अभिषेक गोलू, सचिन श्रीवास्तव, देवीलाल, संतोष, महेन्द्र निषाद, रवि गुप्ता, सुधीर निषाद, अरुण सोनकर, पंकज साहू, मृत्युंजय पाण्डेय, रेहान, सऊद, हामिद, हसीब अहमद, जय भारत, शशि भूषण पांडे, अलोक दुबे, गौरव वर्मा, मेराज अहमद, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, मो युसूफ, आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

लगातार सुधार ही है प्रगति का असली मार्ग, आत्मचिंतन से संभव है तरक्की

प्रत्येक मनुष्य के अंतर्मन में सतत सफलता की आकांक्षा निहित रहती है, लेकिन गंभीरतापूर्वक विचार किया जाए, तो निष्कर्ष यह निकलता है कि सतत सफलता के लिए सतत प्रयास भी नितांत आवश्यक है। प्रयत्न की निरंतरता केवल उसी स्थिति में संभव है, जब हम अपने भीतर परिस्थितियों के साथ परिष्कार की आदत विकसित करें। व्यक्तित्व का निरंतर परिष्करण उसे निखारता रहता है। उन्नति के शिखर तक पहुंचने के लिए विचार, व्यवहार, संस्कार और जीवन-मूल्य प्रत्येक तत्व का उन्नयन तथा परिमार्जन अनिवार्य है।

दरअसल, परिष्कार की निरंतरता ही प्रगति की वास्तविक कुंजी है। परिष्कार का अर्थ केवल बाहरी चमक-दमक से नहीं है। सही मायने में यह मन, विचार और आचरण से संबंधित ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर की कमियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का प्रयास करता है। जीवन में जो व्यक्ति स्वयं को पूर्ण समझ लेता है, उसका विकास वहीं अवरुद्ध हो जाता है। जबकि जो व्यक्ति यह स्वीकार करता है कि सुधार की संभावना सदैव बनी रहती है, वह निरंतर आगे बढ़ता रहता है। यही सोच परिष्कार की निरंतरता का मूल आधार है।

मानव जीवन स्वयं में सीखने की एक अनवरत प्रक्रिया है। जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य विविध अनुभवों के माध्यम से सीखता है। कभी परिस्थितियां उसे सिखाती हैं, कभी असफलताएं आइना दिखाती हैं और कभी सफलताएं उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती हैं। जीवन में सुधार की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। जिस क्षण कोई व्यक्ति यह मान लेता है कि उसने सब कुछ सीख लिया है, वास्तव में उसी क्षण उसके सीखने का क्रम समाप्त हो जाता है।

मनुष्य के व्यक्तिगत जीवन में परिष्कार की निरंतरता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक मनुष्य के व्यक्तित्व में कुछ न कुछ कमजोरियां और नकारात्मक पक्ष होते हैं। अगर व्यक्ति इन दुर्बलताओं को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करता है, तो उसका व्यक्तित्व धीरे-धीरे निखरने लगता है। जिस प्रकार एक कच्चा पत्थर मूर्तिकार के परिश्रम से सुंदर प्रतिमा का रूप ग्रहण कर लेता है, उसी प्रकार मनुष्य भी आत्मपरिष्कार के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को ऊंचा उठा सकता है।

समाज केवल उसी स्थिति में स्वस्थ और सशक्त बनता है, जब उसके सदस्य अपने विचारों और व्यवहारों में सुधार के लिए तत्पर रहते हैं। अगर समाज में रूढ़ियां, अंधविश्वास और संकीर्णताएं जड़ जमा लें और कोई उन्हें चुनौती देने का साहस न करे, तो समाज ठहराव का शिकार हो जाता है। परिष्कार की निरंतरता का एक महत्वपूर्ण पक्ष बौद्धिक विकास भी है। ज्ञान का संसार लगातार विस्तृत हो रहा है। विज्ञान, तकनीक, साहित्य और दर्शन सभी क्षेत्रों में नए विचार जन्म ले रहे हैं। अगर व्यक्ति या समाज इन नए विचारों के प्रति जिज्ञासु और ग्रहणशील बना रहता है, तो उसकी बौद्धिक क्षमता भी विकसित होती रहती है। अगर वह नई बातों को नजरअंदाज करते हुए पुरानी धारणाओं में ही उलझा रहता है, तो उसकी प्रगति में अवरोध उत्पन्न हो जाता है।

जब विद्यार्थी प्रश्न पूछना सीख जाता है, तर्क करना सीखता है और अपने विचारों को परिष्कृत करके उन्हें सामाजिक पटल पर प्रस्तुत करना सीख जाता है, तभी शिक्षा का उद्देश्य सार्थक सिद्ध हो पाता है। परिष्कार की प्रक्रिया में आलोचना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। आलोचना तभी सार्थक होती है, जबकि उसका उद्देश्य सुधार हो, न कि दोषारोपण। जो व्यक्ति या समाज आलोचना से डरता है, वह सुधार की संभावनाओं को सीमित कर लेता है। परिष्कार की निरंतरता का संबंध केवल बौद्धिकता या सामाजिकता से ही नहीं, बल्कि नैतिकता से भी है। आज के दौर में भौतिक उपलब्धियां जिस तेजी से बढ़ रही हैं, नैतिक मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही द्रुत गति से हो रहा है।

ईमानदारी, संवेदनशीलता, करुणा और सहिष्णुता जैसे मूल्य ही समाज में मानवीयता को विकसित करते हैं। अगर विकास की दौड़ में ये मूल्य पीछे छूट जाएं, तो प्रगति अपूर्ण रह जाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने नैतिक जीवन का भी निरंतर परिष्कार करते रहें। भारतीय दर्शन की गहराइयों में झांककर देखा जाए, तो एक ही संदेश बार-बार मिलता है- मनुष्य को आत्मचिंतन और आत्मावलोकन करना चाहिए तथा इसके बाद अपने दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। यह समझना आवश्यक है कि परिष्कार कोई एक बार में घटित होने वाली घटना नहीं है, बल्कि यह जीवन भर चलने वाली एक सतत प्रक्रिया है।

नोएडा की हड़ताल : आर्थिक विषमता के बढ़ते संकट और मजदूरों की गहराती बेचैनी का संकेत

हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक प्रमुख हिस्से उत्तर प्रदेश के नोएडा में मजदूरों की हड़ताल चर्चा में रही और इसका मुख्य कारण उनकी न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की मांग थी। कुछ दिनों तक चली ये हड़ताल आखिर में हिंसक हो गई और इसके चलते गरीब मजदूरों के पक्ष में समाज का संवेदनात्मक रुख मुड़कर 'निंदनीय' हो गया। यह सही है या गलत, इसका विश्लेषण व्यक्ति को खुद ही करना होगा, पर अब यह समझना आवश्यक है कि आज भारतीय समाज क्या उस मोड़ पर आकर नहीं खड़ा हो गया है, जहां आर्थिक विषमता एक बहुत बड़ा संकट बन चुकी है?

वास्तव में भारत एक गरीब मुल्क है, चाहे वह चार ट्रिलियन की बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया हो और इन दिनों डालर के सामने रुपए की गिरावट के चलते छठे स्थान पर आ गया हो। क्या इस तरक्की के साथ भारत के गरीब व्यक्ति का, उसके आर्थिक जीवन स्तर का, जो दशकों से संघर्षों से भरा हुआ है, कोई तालमेल दिखता है? यह बेवजह नहीं है कि एक लंबे अरसे से मजदूरों के मन में अपनी न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाने और एक सम्मानजनक जीवन जीने की प्रबल इच्छा उनकी मांग बन गई और वे सड़कों पर हड़ताल करने के लिए उतर गए।

मजदूरों की मुख्य मांगों में न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, समय पर वेतन, आपातकालीन चिकित्सा सुविधा, साप्ताहिक अवकाश, महिला श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार, आठ घंटे से ज्यादा काम करने पर दोगुना ओवरटाइम वेतन और वक्त पर

वार्षिक बोनस शामिल था। इन मांगों का अपना औचित्य है, लेकिन सच्चाई का एक पक्ष यह भी है कि मजदूर हड़ताल करने के लिए इसीलिए उतारू हुए कि वे बढ़ती आर्थिक असमानता, जिसके अंतर्गत कंपनियों के मुनाफों में वृद्धि और मालिकों की अमीरी के लगातार बढ़ते स्तर को भी देख रहे थे। इन सबके बीच एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए मजदूर भी अपने वेतन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे।

यह छिपा नहीं है कि एक मजदूर का औसत वेतन दस से बारह हजार है, जिसमें कई बार उसे तकरीबन बारह घंटे श्रम करना पड़ता है। वहीं महंगाई पर नियंत्रण सरकार का नहीं है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण गैस सिलेंडर के बढ़ते मूल्य हैं, जो अब मजदूरों की पहुंच से बाहर जा रहा है। एक कमरे के मकान में रहने वाले मजदूरों का मासिक किराया तीन से चार हजार रुपया होता है, जो उनके वेतन का करीब 40 फीसद होता है। बाकी बचा हुआ हिस्सा खाने-पीने के राशन, बच्चों की शिक्षा पर खर्च हो जाए और अगर बुजुर्ग माता-पिता आश्रित हों या छोटे भाई-बहन भी, तो उनका गुजर-बसर कैसे होगा? स्थिति और भी गंभीर है कि जब भी मजदूर अपने हक की मांग करता है, तो उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कई रपटों के आंकड़े ये भी सामने आए कि आंदोलन के बाद कई कर्मचारियों को काम मिलना बंद हो गया।

सरकारी संस्थान, सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीआइएमई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह वर्षों में मजदूरों को उत्पादन (विक्रय और भंडार में बदलाव) का 5.16 फीसद का हिस्सा घटकर अब 4.97 फीसद रह गया है। वर्ष 1991 में यह हिस्सा सात फीसद से अधिक हुआ करता था। आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अंतर्गत यह भी बताया गया कि पिछले पंद्रह वर्षों में कंपनियों का कर चुकाने के बाद का लाभ 149 फीसद बढ़ा है, जबकि कर्मचारियों का वेतन मात्र 52 फीसद।

भारत के कई बड़े शहरों में कारखानों में काम करने वाले कर्मचारी को अब ठेकेदारों के माध्यम से ही रखा जाता है। वर्ष 2000 तक ऐसे कर्मचारियों की तादाद 16 फीसद हुआ करती थी, जो अब 42 फीसद हो गई है। और इन सबकी वजह से कर्मचारी फैक्टरी के मालिकों से प्रत्यक्ष बात नहीं कर पाते, क्योंकि उनके बीच कोई अनुबंध नहीं होता है और ठेकेदार कभी भी कर्मचारी का साथ नहीं देता।

एक रपट में ये तथ्य दर्ज हैं कि निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत उम्र बढ़ने पर वेतन कम होने लगता है। 15 से 25 वर्ष तक की आयु के बीच निर्माण क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तुलना में मजदूरों का वेतन अधिक है, पर 25 वर्ष से लेकर 50 वर्ष की आयु के बीच में अन्य क्षेत्रों की तुलना निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत मजदूरों के वेतन में 15 फीसद से लेकर 25 फीसद तक कमी देखी जाती है। अब इस पक्ष पर यह क्यों नहीं समझा जा रहा कि व्यक्ति पर इस आयु के दौरान पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ता है, तो वह निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत कम वेतन पर अपनी जिम्मेदारियां कैसे उठा पाएगा!

हाल की हड़ताल के संदर्भ में सोशल मीडिया पर मजदूरों के कई तरह के व्यक्तिगत अनुभव देखने में आए, जिसके अंतर्गत दो दिन काम करने पर मात्र 971 रुपए मिलना, साल भर के बाद भी मात्र 29 रुपए का वेतन बढ़ाना आदि। ये सब इस बात की गवाही है कि कारखानों में मजदूरों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा, सौ से अधिक श्रमिक वाले कारखानों को सबसिडी वाला भोजन अपने मजदूरों को उपलब्ध करवाना होता है, लेकिन अधिकतर कारखाने ऐसा नहीं करते हैं।

भारतीय औद्योगिक समाज में लागत को नियंत्रित करने के लिए प्रथम प्राथमिकता कर्मचारी या श्रमिकों के वेतन पर नियंत्रण होती है, क्योंकि अन्य पक्षों और मालिकों को महंगाई का प्रभाव दिखता है। शायद इस पक्ष पर अब एक दूरदर्शिता की जरूरत देश के सामने है, जिसके अंतर्गत एमएसएमई इकाइयों को शत-प्रतिशत की क्षमता पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उसका अधिक लाभ मिले, जिसके अंतर्गत मजदूरों का आर्थिक हित भी सुरक्षित हो। भारत अभी इस पक्ष पर इसलिए असुरक्षित महसूस करता है कि वह निर्यात में अधिक बढ़ोतरी पर आशंकित रहता है। मगर बीते दशकों में चीन ने ऐसा ही करके अपनी बादशाहत को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है।

ट्रंप-पाकिस्तान नजदीकी से बदले समीकरण? भारत-अमेरिका रिश्तों पर नया संकट

अजीब दुनिया है अपनी। इतनी अजीब कि जिस देश ने पिछले साल पहलगाम में ऐसा घिनौना आतंकवादी हमला किया कि युद्ध की नौबत आ गई थी, उसी देश को आज शांति का दूत बना दिया है डोनाल्ड ट्रंप ने। मेरे कुछ दोस्त हैं मुंबई और दिल्ली में जो कहते हैं कि पाकिस्तान ने अपने पत्ते बड़ी चतुराई से खेले हैं और हम हैं कि अपनी ऊंची जगह खो बैठे हैं विश्व की सभाओं में। जब उनकी बातें सुनती हूं, तो मुझे काफी तकलीफ होती है इसलिए कि मेरी अपनी राय है कि दोष हमारा नहीं अमेरिका का है, जो फिर से अपने पुराने दोस्त के हर अपराध को माफ कर रहा है।

जिस तरह ट्रंप ने आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया था बावजूद इसके कि पहलगाम के बाद अगर भारत चुप बैठा रहता जैसे 26/11 वाले हमले के बाद हमारी सरकार चुप बैठी थी, तो नरेंद्र मोदी को इस देश की जनता कभी माफ नहीं करती। पहलगाम आतंकवादी हमला अन्य जिहादी हमलों से अलग था। इसलिए कि इसके गवाह जिंदा हैं और याद करते हैं कि जिन दरिंदों ने उनके अपनों को मारा था, वे उनको मारने से पहले पूछते थे कि कलमा पढ़ सकते हैं या नहीं। जिनको कलमा नहीं आता था उनको मार डालते थे। एक कश्मीरी गवाह के मुताबिक हत्यारे उर्दू बोलते थे पंजाबी लहजे में। स्पष्ट था कि वे हिंदुस्तानी नहीं, पाकिस्तानी थे। इसके बावजूद ट्रंप ने अपने 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' का साथ दिया। सवाल यह है कि जब ईरान के जिहादी शासक आतंकवाद फैलाते हैं, तो ट्रंप को तकलीफ क्यों होती है। ईरान के पास परमाणु हथियार होने से तकलीफ क्यों होती है अमेरिका को और पाकिस्तान से क्यों नहीं? ईरान तो अभी कोशिश ही कर रहा है परमाणु बम बनाने की। जबकि पाकिस्तान के पास पहले से परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान के साथ अमेरिका का यह प्रेम पुराना है। बांग्लादेश की आजादी के लिए जब लड़ाई हुई थी, तो रिचर्ड निक्सन ने खुल कर इंदिरा गांधी को युद्ध करने से सावधान किया था। अमेरिका ने सातवां बेड़ा भेजा था उस समय जो भारत की समुद्री सीमाओं पर मंडरा रहा था। यह अलग बात है कि इंदिरा गांधी ने साहस दिखा कर अमेरिका की धमकियों और शक्ति प्रदर्शन को अनदेखा किया।

फिर आया वह दौर, जिसमें अमेरिका सोवियत संघ को हराने के लिए अफगानिस्तान में जिहादी दस्तों या 'मुजाहिदीन' को भेजने का काम करने लगा था। इन जिहादी सिपाहियों को तैयार करने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान पर पैसों की बौछार की थी। सोवियत संघ मुजाहिदीन का मुकाबला न कर पाया और उसके सैनिक वहां से चले गए थे। उधर, मुजाहिदीन को शरण मिलती रही पाकिस्तान में।

उस समय मैं पाकिस्तान काफी जाया करती थी और पेशावर में मैंने अपनी आंखों से देखे हैं मुजाहिदीन की वही संस्थाएं जिनका इस्तेमाल बाद में उसामा बिन लादेन ने किया था। उसामा खुद पेशावर में रहता था। इनको पैसा और प्रशिक्षण पाकिस्तानी सेना देती रही। अमेरिका चुप बैठा रहा है, यह जानते हुए कि भारत में जिहादी हमले हो रहे थे पाकिस्तान की जमीन से। मुंबई में जब 26/11 वाले हमले की साजिश रची जा रही थी, तो डेविड हेडली को मुंबई पहुंचाया गया इस काम की तैयारी करने। जासूस पाकिस्तान का तो था ही, लेकिन अमेरिका का भी था। इसलिए जब उसको 'मोक्ष जिम' का सदस्य बनना था, तो सिफारिश आई अमेरिकी दूतावास से। हेडली इस जिम में मिलता था फिल्मी सितारों और बड़े उद्योगपतियों के बेटों से। उस दौर में 'मोक्ष जिम' मुंबई में सबसे महंगा और प्रसिद्ध था।

फिर एक दौर ऐसा आया जब अमेरिका ने स्वीकारा कि भारत से अच्छे रिश्ते रखना पाकिस्तान की दोस्ती से कहीं ज्यादा फायदेमंद होगा और मनमोहन सिंह ने जार्ज

बुश के साथ ऐसा परमाणु समझौता किया जिससे परमाणु तकनीक और ऊर्जा पर जो पाबंदी थी भारत पर, वह हटा दी गई। पाकिस्तान ने जब अपने लिए भी ऐसा समझौता मांगा, तो साफ शब्दों में उसको बताया गया कि दोनों देशों का इतिहास अलग है और अमेरिका पाकिस्तान को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में नहीं देखता है। पाकिस्तान ने अपना परमाणु बम बनाया था चोरी छिपे और वह गुपचुप परमाणु संबंधी जानकारी दे रहा था उत्तर कोरिया जैसे खतरनाक देशों को। पाकिस्तान की जिहादी हरकतों को लेकर हिलेरी क्लिंटन ने लाहौर में खुल कर कहा था कि 'जो देश जहरीले सांप पालते हैं, उनको याद रखना चाहिए कि यह सांप सिर्फ आपके पड़ोसियों को नहीं डसेंगे'।

भारत के साथ जैसे-जैसे अमेरिका की दोस्ती बढ़ती रही, वैसे-वैसे पाकिस्तान की जगह सिकुड़ती गई अमेरिका की विदेश नीति में और ऐसा रहा ट्रंप के पहले शासनकाल में। नरेंद्र मोदी जब 2019 में अमेरिका गए थे, उनकी इतनी अच्छी मेजबानी की गई थी कि उन्होंने ट्रंप और उनके पूरे परिवार के लिए अहमदाबाद में एक विशाल समारोह रखा था। जिसमें माना जाता है कि दस लाख लोग आए थे। मोदी खुश होकर कहते फिरते थे इसके बाद कि ट्रंप उनके खास मित्र हैं। तो अब क्या हो गया है कि रिश्ते इतने कड़वे हो गए हैं कि जितने कभी पहले न थे?

कुछ तो ट्रंप की नासमझी की वजह से ऐसा हुआ है और कुछ उनके बेटों के पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के परिवार के साथ कारोबारी रिश्तों की वजह से। तो क्या अमेरिका और पाकिस्तान की इस नई दोस्ती से नुकसान हुआ है भारत का? हुआ तो है। वरना आपरेशन सिंदूर की असलियत दूसरे देशों को बताने के लिए प्रधानमंत्री ने सांसदों के इतने प्रतिनिधिमंडल न भेजे होते। नुकसान इसमें भी दिखता है कि इस युद्ध के चलते पाकिस्तान की विशेष भूमिका बन गई है। आगे क्या होगा, कौन जाने। एक बात अभी से स्पष्ट है कि भारत को अमेरिका के साथ अपनी पुरानी दोस्ती नए सिरे से बनानी होगी।

बचपन पर कैंसर का साया, चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और स्वास्थ्य असमानता के बीच संघर्ष

बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल होता है, जिसमें सपनों की नींव रखी जाती है, संभावनाओं के पंख विकसित होते हैं और भविष्य की दिशा तय होती है। मगर आज यही बचपन कैंसर जैसे जटिल रोगों की गिरफ्त में आ रहा है, जो न केवल बच्चों के जीवन के सबसे कीमती वर्षों को छीन रहा है, बल्कि उनकी जान भी ले रहा है। यह केवल जीवनशैली और प्राकृतिक बदलाव का परिणाम नहीं है, बल्कि व्यवस्था से जुड़ा सवाल भी है। सबसे भयावह और असमानता का पहलू यह है कि बाल्यावस्था में कैंसर से होने वाली 94 फीसद मौत और 85 फीसद नए मामले कम एवं मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं। यानी जिन देशों में संसाधन सबसे कम हैं, वहां इस रोग का कहर सबसे अधिक है। भारत भी इस त्रासदी से अछूता नहीं है, जहां हर वर्ष लगभग 17 हजार बच्चे कैंसर के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। स्पष्ट है कि कैंसर से जंग केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि आर्थिक और व्यवस्था के स्तर पर भी है।

'द लैंसेट' में प्रकाशित रपट 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज-2023' बाल्यावस्था में कैंसर के संकट की भयावहता को उजागर करती है। यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों की विफलता और स्वास्थ्य असमानता की तस्वीर पेश करती है, जिसमें सबसे ज्यादा पीड़ा उन देशों की झलकती है, जहां संसाधन सीमित हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर। रपट के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनिया भर में बाल्यावस्था के कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए और करीब 1.44 लाख बच्चों की मृत्यु हो गई। इससे स्पष्ट है कि बाल्यावस्था का कैंसर अब केवल एक चिकित्सीय चुनौती नहीं रहा, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरियों और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं का प्रतीक बन गया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट कई स्तरों पर जटिल है। एक ओर चिकित्सा विज्ञान ने कैंसर के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है, दूसरी ओर इन आधुनिक सुविधाओं तक पहुंच अभी भी सीमित है। देश के बड़े शहरों में तो उन्नत कैंसर उपचार केंद्र मौजूद हैं, लेकिन ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में ये सुविधाएं न के बराबर हैं। परिणामस्वरूप अधिकांश बच्चे तब अस्पताल पहुंचते हैं, जब बीमारी अंतिम चरण में होती है। यही कारण है कि भारत में बाल कैंसर के मामलों में जीवित रहने की दर विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

लैंसेट की रपट से पता चलता है कि बाल्यावस्था का कैंसर वर्ष 2023 में बच्चों की मृत्यु का आठवां प्रमुख कारण रहा। यही नहीं, यह 'डिसेबिलिटी-एडजस्टेड लाइफ ईयर्स' (डीएएलवाई) के संदर्भ में भी दसवां सबसे बड़ा कारण है। 'डीएएलवाई' का अर्थ है, स्वस्थ जीवन के एक वर्ष का नुकसान यानी कैंसर केवल जीवन ही नहीं छीन रहा, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सक्रिय और कीमती समय को भी नष्ट कर रहा है। यह एक ऐसी क्षति है, जिसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव दीर्घकालिक एवं गहरा होता है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक पहलू यह है कि बाल्यावस्था के कैंसर के अधिकांश मामलों का संबंध जीवनशैली से नहीं होता, जैसा कि वयस्कों में देखा जाता है, बल्कि बच्चों में कैंसर अक्सर आनुवंशिक परिवर्तनों या कोशिकीय असामान्यता के कारण विकसित होता है। ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) बच्चों में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है, जिससे वर्ष 2023 में लगभग 45, 900 बच्चों की मृत्यु हुई। इसके बाद मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के कैंसर हैं, जिससे 23, 200 बच्चों की मौत हुई। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो एक विरोधाभास स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आता है। वर्ष 1990 की तुलना में 2023 में बाल्यावस्था के कैंसर से होने वाली मौत में लगभग 27 फीसद की कमी आई है, जो चिकित्सा विज्ञान की प्रगति का स्पष्ट संकेत है। मगर यह प्रगति समान रूप से वितरित नहीं है। जहां विकसित देशों में इलाज की बेहतर सुविधाओं के कारण मृत्यु दर में गिरावट आई है, वहीं अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में यह दर 55 फीसद से अधिक बढ़ गई है। यह असमानता साफ तौर पर वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है। भारत की बात की जाए, तो यहां बाल कैंसर की चुनौती केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक आयामों से भी जुड़ी हुई है। एक ओर इलाज का खर्च अत्यधिक है, दूसरी ओर अधिकांश परिवारों के पास स्वास्थ्य बीमा या वित्तीय सुरक्षा नहीं होती है। परिणामस्वरूप कई मामलों में इलाज अधूरा रह जाता है। इसके अलावा, जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। प्रारंभिक लक्षणों को अक्सर सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे निदान में देरी होती है और उपचार की संभावना कम हो जाती है। स्वास्थ्य प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरियां भी इस संकट को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रशिक्षित चिकित्सकों और आवश्यक जांच सुविधाओं का अभाव, विशेषज्ञों की कमी और बड़े अस्पताल भेजने की प्रक्रिया में जटिलता बच्चों को समय पर उपचार मिलने में बाधा उत्पन्न करती है।

हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से शुरू किया गया 'ग्लोबल चाइल्डहुड कैंसर इनिशिएटिव' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक कैंसर से पीड़ित बच्चों में जीवित रहने की दर को कम से कम साठ फीसद तक बढ़ाना है। इसके तहत समय पर निदान, सस्ती और सुलभ दवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ाने और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। भारत में भी सरकार और विभिन्न संस्थाएं इस दिशा में प्रयासरत हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को इलाज की सुविधा प्रदान कर रही हैं। इसके अलावा, टेलीमेडिसिन, संचालित स्वास्थ्य इकाइयों और डिजिटल स्वास्थ्य मंच के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मगर इस कवायद को और अधिक व्यापक, समन्वित और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

इसमें दोराय नहीं कि इस समस्या का समाधान केवल चिकित्सा प्रगति से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। सबसे पहले, जन-जागरूकता को बढ़ाना होगा, ताकि माता-पिता और शिक्षक प्रारंभिक लक्षणों को पहचान सकें। इसके साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करना होगा, ताकि शुरुआती स्तर पर ही रोग की पहचान और उपचार संभव हो सके। चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण में निवेश बढ़ाना भी आवश्यक है, ताकि पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ उपलब्ध हो सकें। स्वास्थ्य सेवाओं में समानता सुनिश्चित करना अत्यंत जरूरी है। जब तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच और अमीर एवं गरीब देशों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई कम नहीं होगी, तब तक इस समस्या का समाधान अधूरा ही रहेगा।

बचपन को कैंसर से बचाना केवल एक चिकित्सा लक्ष्य नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। यह उस समाज की पहचान है, जो अपने सबसे कमजोर और अनमोल वर्ग की रक्षा करने में सक्षम है। यदि हम वास्तव में एक स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की कल्पना करते हैं, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान न गंवाए, क्योंकि उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। कैंसर से जूझता बचपन हमें यह अहसास कराता है कि विकास केवल आर्थिक प्रगति से नहीं मापा जा सकता, बल्कि यह इससे तय होता है कि हम अपने बच्चों को कितना सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन दे पा रहे हैं।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की जलकर मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

शौर्य भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के ढेबरुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम संसरी के टोला करूआ में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में आग से जलकर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, राजेंद्र यादव पुत्र झंगरू के पुत्र राजेश यादव की पत्नी मंजू उर्फ लाली की उनके दूसरे मकान के एक कमरे में जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना पर मृतका के मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और ससुराल पक्ष पर महिला को जलाकर मारने का आरोप लगाया।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने जले हुए शव को कपड़े से ढक दिया और कमरे को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद मायके पक्ष के आने का इंतजार किया गया। घटना के लगभग दो घंटे बाद ढेबरुआ पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाकर स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र करने में जुट गई। समाचार लिखे जाने तक जांच प्रक्रिया जारी थी। घटना के संबंध में मृतका की सास शुभावती ने बताया कि सुबह मंजू उर्फ लाली मंजन करने के लिए एक मकान से दूसरे मकान में गई थी, जहां कुछ ही देर बाद कमरे में आग लग गई। उस समय घर के अन्य सदस्य मौजूद नहीं थे–पति राजेश यादव ट्रैक्टर-ट्रॉली से मिट्टी गिराने गया था, देवर मोहित भैंस चराने गया था तथा ससुर राजेंद्र दूध बेचने गए थे। वहीं मृतका की मां कपूरा देवी पत्नी सत्यनारायण, निवासी ग्राम दुबौलिया थाना चिल्हिया ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की शादी 18 अप्रैल 2024 को राजेश यादव के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में कई करोड़ की परियोजनाएं सर्वसम्मति से हुई पारित

सिद्धार्थनगर। जिले के विकास खण्ड मिठवल सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक प्रमुख निशा चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 37 करोड़ 80 लाख रुपये का अनुमानित बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक की शुरुआत पिछली कार्यवाही की पुष्टि से हुई, जिसके बाद विभिन्न विभागों की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें शिक्षा विभाग, बाल विकास परियोजना, पशु चिकित्सा, समाज कल्याण, निःशुल्क बोरिंग योजना, राज्य वित्त एवं केंद्रीय वित्त आयोग की योजनाएं प्रमुख रहीं।

मनरेगा के तहत ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी और आगामी कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। पूर्व मंत्री बांसी विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर कार्य करें, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुंचे बैठक को सम्बोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख निशा चौधरी ने सभी क्षेत्र पंचायत और ग्राम प्रधान को साथ में विकास कार्यों के सहयोग के धन्यवाद दिया उन्होंने कहां कि कार्यकाल का सम्भवतः यह आखिरी बैठक है अगर सरकार ने कार्यकाल को आगे बढ़ाया तो सभी अवशेष कार्य को सबसे पहले प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा बैठक को खण्ड विकास अधिकारी सौरभ कुमार पाण्डेय, खण्ड शिक्षा अधिकारी धन्मेंद्र पाल, पशु चिकित्साधिकारी राकेश कुमार चौधरी, प्रमुख प्रतिनिधि डाक्टर दशरथ चौधरी, सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र त्रिपाठी ने भी सम्बोधित किया इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य विष्णु प्रताप सिंह अजय तिवारी अजय प्रकाश मिश्र इन्द्रजीत यादव ग्राम प्रधान आयशा खातून दिनेश धर द्विवेदी अरविंद सिंह उमेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला अपराध रोकने के लिए गांव की महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

शौर्य भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत थाना खेसरहा मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम सकरा की बालिकाओं/महिलाओं को महिला अपराध व उससे बचाव तथा साइबर अपराध सुरक्षा व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों आदि के बारे में पम्पलेट वितरित कर जागरुक किया । जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तहत उप निरीक्षक जियाउल्लाह, उप निरीक्षक चंद्रिका प्रसाद , कांस्टेबल अरुण कुमार , महिला कांस्टेबल प्रिया चौहान ग्राम सकरा की बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम कर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत महिला सम्बन्धित सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया। तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन नम्बरों- 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई तथा पम्पलेट वितरित कर जागरुक किया गया।

मिशन शक्ति टीम ने पारिवारिक विवाद को उलझा कर पति-पत्नी को मिलवाया

शौर्य भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया उदयपुर थाना मिशन शक्ति टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पति-पत्नि के पारिवारिक विवाद को सुलझाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए दोनो को सकुशल उनके घर भेजा। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम मे एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण व शुबेन्दु सिंह क्षेत्राधिकारी बांसी के निर्देशन में अभय सिंह थानाध्यक्ष थाना जोगिया उदयपुर के नेतृत्व में आवेदक शिवधार कुमार पुत्र सोमाई साकिन कलिनगर थाना बृजमनगंज जनपद महाराजगंज द्वारा शिकायत किया गया था कि आवेदक शिवधर व उसकी पत्नी निर्मला निवासी ग्राम कठही थाना जोगिया उदयपुर के बीच कुछ कहा-सुनी हुआ था जिससे आपस में मनमुटाव हो गया था उभय पक्षों को मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक कपिलमुनि यादव, महिला कांस्टेबल किरन वेदी , कांस्टेबल विजय प्रजापति द्वारा काउंसलिंग की गई दोनो पक्षों (पति-पत्नी) को उनके आपसी रिश्तों एंव बच्चे के प्रति उनके दायित्वों व पारिवारिक कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया गया जिससे दोनो पक्ष (पति-पत्नि) राजी-खुशी से साथ रहने के लिये तैयार हुए । अब दोनों पक्षों के मध्य कोई विवाद नही है । पति-पत्नि को सकुशल एक साथ राजी-खुशी घर भेज दिया गया । उक्त पुलिस कार्यवाही की आम जनमानस द्वारा सराहना की गयी।

वनिर्मित पाइप पेयजल योजना का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

शौर्य भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के नौगढ़ विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत पारा नानकार में जल जीवन मिशन (हर घर जल) योजना के तहत नवनिर्मित पाइप पेयजल योजना का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को अवगत कराया गया कि यह पेयजल योजना वर्ष 2021-22 में स्वीकृत हुई थी। योजना के अंतर्गत प्रस्तावित 341 गृह जल संयोजनों के सापेक्ष, ग्राम पंचायत में अद्यतन कुल वास्तविक 403 घरों के विरुद्ध अब तक 396 जल संयोजन प्रदान किए जा चुके हैं। ग्रामवासियों की लगभग 1 वर्ष और 6 माह से भी अधिक समय से निरतर जलापूर्ति की जा रही है। साथ ही, सुचारु व्यवस्था हेतु इस योजना को दिसंबर 2025 से संचालन एवं अनुरक्षण में भी सम्मिलित किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने नवनिर्मित ओवरहेड टैंक (पानी की टंकी), पंप हाउस, और बिछाई गई पाइपलाइनों की बारीकियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ग्राम पारा में पहुंच कर ग्रामवासियों से सीधा संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित किया कि उन्हें नियमित रूप से, पर्याप्त दबाव के साथ शुद्ध पेयजल प्राप्त हो रहा है या नहीं। जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि जल आपूर्ति अबाध रूप से जारी रहे और ग्रामीणों को मानक के अनुरूप शुद्ध पेयजल मिले। गुणयता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर पाइपलाइन में लीकेज या टूट-फूट की शिकायते प्राप्त हो, वहां तत्काल प्रभाव से मरम्मत कार्य सुनिश्चित किया जाए ताकि जल की बर्यादी न हो।

इस अवसर पर जल निगम के अधिशासी अभियंता जल निगम संजय कुमार जायसवाल, सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दूसरे दिन सम्पन्न हुई होमगार्ड भर्ती परीक्षा

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के पदों पर एनरोलमेंट-2025 के तहत आयोजित लिखित परीक्षा के क्रम में जनपद भदोही में 27 अप्रैल को आयोजित परीक्षा की दोनों पालियों में अभ्यर्थियों की अच्छी उपस्थिति दर्ज की गई। प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार प्रथम पाली में कुल 2496 अभ्यर्थियों में से 1826 उपस्थित रहे, जबकि 670 अनुपस्थित रहे। इस पाली में उपस्थिति प्रतिशत 73.16 रहा।

वहीं द्वितीय पाली में भी अभ्यर्थियों की उपस्थिति बेहतर रही। कुल 2496 अभ्यर्थियों में से 1879 उपस्थित रहे, जबकि 617 अनुपस्थित रहे। इस पाली में उपस्थिति प्रतिशत बढ़कर 75.28 दर्ज किया गया।

जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों–ज्ञान देवी बालिका इंटर कॉलेज भदोही, काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर, एमएएमटी समद इंटर कॉलेज भदोही, श्री इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज, विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज ज्ञानपुर तथा जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर–पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और पारदर्शिता के कड़े इंतजाम किए गए थे। अधिकारियों ने केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निष्पक्ष परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। कुल मिलाकर दूसरे दिन की परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति संतोषजनक रही और परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक

शौर्य भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के सिद्धार्थ सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुआ।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने पीएम श्री स्कूल फेज वन एवं फेज टू में गैप्स के पैरामीटर की समीक्षा की। निपुण लक्ष्य के लिए जारी गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित करायें। प्रथम चरण में स्वीकृत मुख्यमंत्री मॉडल एवं अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण कार्य में प्रगति लायें। प्राथमिक विद्यालय/उच्च प्राथमिक विद्यालयों के पुर्ननिर्माण/दिव्यांग शौचालय के निर्माण कार्य की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जो कार्य पूर्ण पूर्ण हो गये हैं उसे हैण्ड ओवर करायें। समग्र शिक्षा के अन्तर्गत अतिरिक्त कक्षा-कक्ष हेतु फर्नीचर फर्म द्वारा विद्यालयों में उपलब्ध कराया जा रहा है। उच्चीकृत किये जाने वाले कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों अतिरिक्त डारमेट्री कक्ष, कम्प्यूटर लैब आदि का निर्माण कार्य पूर्ण करायें। जिलाधिकारी ने पीएम श्री स्कूलों का टीम गठित कराकर सघन निरीक्षण कराने के पश्चात निरीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं पीएमश्री विद्यालय का निरीक्षण करे। जिलाधिकारी ने शिक्षकों एवं नामांकन के सापेक्ष बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिला स्तरीय एवं ब्लाक स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा विद्यालयों का निरीक्षण करें। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 32210 नामांकन हुआ है जिला ने प्रगति लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में भी नामांकन में प्रगति लाकर लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा एवं समस्त खंड शिक्षा अधिकारी व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

ज्ञानपुर रोड से पुणे तक अमृत भारत एक्सप्रेस से आम जनता को मिलेगी सीधी सुविधा

भदोही। जनपद के यात्रियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। मोदी सरकार द्वारा नॉन एसी प्रीमियम अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत 28 अप्रैल से की जा रही है, जिससे आम जनता को झांसी, भोपाल और पुणे जैसे बड़े शहरों के लिए सस्ती और सीधी यात्रा सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को इस ट्रेन का शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन स्पेशल ट्रेन (02531) बनारस से हडपसर (पुणे) के लिए शाम 4:45 बजे रवाना होगी और ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर शाम 5:40 बजे ठहराव करेगी। यह ट्रेन प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर (गोविंदपुरी), झांसी, भोपाल (रानी कमलापति) समेत कई प्रमुख स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन पुणे पहुंचेगी। ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें 8 स्लीपर और 11 सामान्य श्रेणी के कोच शामिल हैं, जिससे यह खास तौर पर आम यात्रियों के लिए किफायती विकल्प साबित होगी। इस नई सुविधा से भदोही और आसपास के लोगों को लंबी दूरी की यात्रा में काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

शांति भंग की आशंका में 6 गिरफ्तार, 19 वाहनों का चालान

भदोही। जनपद पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के तहत कार्रवाई करते हुए शांति भंग की आशंका में 6 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई कर न्यायालय भेजा गया। पुलिस के अनुसार, थाना कोईरौना क्षेत्र में दो, थाना चौरी क्षेत्र में एक तथा थाना सुरियावां क्षेत्र में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं यातायात पुलिस ने भी नियमों के उल्लंघन पर सख्ती दिखाते हुए अभियान चलाया। इस दौरान 18 दोपहिया और 1 चारपहिया समेत कुल 19 वाहनों का चालान कर 19 हजार रुपये का समन शुल्क वसूला गया।

एक दर्जन स्कूली वाहनों का चालान, तीन निरुद्ध

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) राम सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी शैलेश कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत स्कूली वाहनों और निजी बसों की सघन जांच की गई।

जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 स्कूली वाहनों और बसों का चालान किया गया, जबकि 3 वाहनों को गंभीर अनियमितताओं के चलते निरुद्ध कर दिया गया। कार्रवाई की जद में आने वाले विद्यालयों में डोनिव पब्लिक स्कूल, काशी राज पब्लिक स्कूल, केजी मेमोरियल स्कूल, बीपीएमजी स्कूल और पीस कॉटेज स्कूल समेत अन्य शामिल हैं।

अधिकारी ने बताया कि कई वाहनों में आवश्यक दस्तावेज अधूरे पाए गए। इनमें कर अदायगी न होना, वैध परमिट का अभाव, प्रदूषण प्रमाण पत्र और बीमा प्रमाण पत्र की कमी जैसी खामियां शामिल रहीं, जो मोटर वाहन अधिनियम के तहत गंभीर उल्लंघन हैं।

उन्होंने सभी स्कूल बस और निजी बस संचालकों को निर्देश दिया है कि वे अपने वाहनों के सभी आवश्यक प्रपत्र तत्काल पूर्ण कराएं। चेतावनी देते हुए कहा गया कि भविष्य में बिना दस्तावेजों के वाहन संचालन पाए जाने पर चालान, वाहन सीज करने और पंजीयन निलंबन जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सके और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जा सके।

साइबर हेल्प डेस्क की तत्परता से 53 हजार रुपये वापस

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावां स्थित साइबर हेल्प डेस्क ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पीड़िता के खाते में गए 53, 000 रुपये वापस कराए। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में आंचल यादव (निवासी हरिकरनपुर, थाना दुर्गागंज) के खाते से गलत ट्रांजेक्शन से गई धनराशि को एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से ट्रेस कर वापस कराया गया। राशि वापस मिलने पर पीड़िता ने भदोही पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं और किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल से सतर्क रहें।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर बोले ए.के. शर्मा महिलाओं के अधिकारों पर राजनीति नहीं

शौर्य भारत संवाददाता

भदोही।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने भदोही प्रवास के दौरान औराई ब्लॉक सभागार में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस वार्ता की। इस अवसर पर उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के समर्थन में आयोजित जनआक्रोश मार्च में भी भागीदारी की।

मंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों से समाज में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कहा कि इसे पारित कराने के लिए प्रयास किए गए, लेकिन विपक्ष के असहयोग के कारण यह संभव नहीं हो सका। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में यह विधेयक अवश्य पारित होगा।

उन्होंने विपक्ष के रुख की आलोचना करते हुए कहा कि महिला अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषय पर राजनीति करना स्वीकार्य नहीं है। सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में सांसद विनोद बिंद, विधायक दीनानाथ भास्कर, विधायक विपुल दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष प्रियंका जायसवाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख पूनम मौर्या, कार्यकारिणी सदस्य रेनू पांडे सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

बसपा के पुराने चेहरों के सहारे पीडीए को मजबूत करने में जुटी सपा, 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी की तेज

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति को मजबूत करने के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पुराने और अनुभवी चेहरों को साथ जोड़कर नई राजनीतिक जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। पार्टी के सूत्रों की मानें तो समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की अगुवाई में यह रणनीति 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। सपा के एक सांसद ने बताया कि पार्टी का मानना है कि बी आर अंबेडकर और कांशी राम की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए बसपा के पुराने नेताओं को साथ लाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से सपा लगातार ऐसे चेहरों को जोड़ रही है, जो कभी बसपा की जमीनी ताकत रहे हैं और सामाजिक समीकरणों की गहरी समझ रखते हैं।

सूत्रों की मानें तो दरअसल, सपा की पीडीए रणनीति का मुख्य आधार यही पुराने बसपा नेता बन रहे हैं। इन नेताओं ने न केवल इस रणनीति को वैचारिक मजबूती दी है, बल्कि इसे जमीन पर उतारने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इनमें इंद्रजीत सरोज, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, त्रिभुवन दत्त और ददूदू प्रसाद जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं, जिन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम के मिशन को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया था।

समाजवादी पार्टी के सांसद ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, ' सपा का लक्ष्य 2027 में सत्ता में वापसी करना है, क्योंकि इसी रणनीति का हिस्सा है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा और बसपा के रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं।

वर्तमान समय में बसपा अपने पारंपरिक वोट बैंक तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रही है। ऐसे में सपा इस खाली स्थान को भरने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव जी का पीडीए का फार्मूला 1993 का गठबंधन दोनों दलों के लिए फायदेमंद साबित हुआ था, लेकिन बाद में दोनों अलग-अलग रास्तों पर चले गए। इसके बाद 2019 में फिर से गठबंधन हुआ, मगर अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद सपा ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए सामाजिक समीकरणों पर नए सिरे से काम शुरू किया। सपा अब दलित-पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के व्यापक गठजोड़ पर जोर दे रही है। पार्टी नेताओं के अनुसार इसके लिए बसपा के पुराने नेताओं को साथ जोड़ना एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

पार्टी का मानना है कि ये नेता जमीनी स्तर पर जातीय समीकरणों को साधने में सक्षम हैं। हालांकि इस रणनीति के सकारात्मक संकेत 2024 के लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिले, जहां सपा को बेहतर प्रदर्शन हासिल हुआ। यही वजह है कि पार्टी अब इस मॉडल को और विस्तार देने में जुटी है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, बसपा के पूर्व प्रत्याशी और अन्य प्रभावशाली नेता जिनकी विचारधारा भाजपा से मेल नहीं खाती वे भी धीरे-धीरे सपा की ओर रुख कर रहे हैं। इससे साफ है कि आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति में यह पीडीए फार्मूला और मजबूत होता दिख सकता है।

हालाकि समाजवादी पार्टी की इस रणनीति को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव चाहे जितने जतन कर लें लेकिन यूपी की जनता का विश्वास माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बना हुआ है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भी जनता भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाएगी।

नोएडा में टेक कंपनी के डायरेक्टर ने दे दी जान
खामोशी में छिपी रह गई वजह, 3 अन्य ने उठाया खौफनाक कदम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के नोएडा में अलग-अलग घटनाओं में एक कंपनी के निदेशक समेत चार लोगों ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सेक्टर 39 थानाक्षेत्र में सेक्टर 107 की एक सोसाइटी में एक कंपनी के निदेशक ने कथित रूप से 22 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर लिया। सेक्टर 39 के थाना प्रभारी निरीक्षक डी पी शुक्ल ने बताया कि 22वीं मंजिल पर अपने परिवार के साथ रह रहे सजल मेहरोत्रा (37) ने रविवार को नीचे छलांग लगा दी जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और परिचितों से पूछताछ कर पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की। फेस -3 थाने के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मामूरा गांव में सुलभ गंगवार (23) ने बीती रात को फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। सेक्टर 63 के थाना प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया कि मुनी देवी (38) ने अपने घर पर फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी। नॉलेज पार्क के थाना प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि इस थानाक्षेत्र में रोशनी (28) ने फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी।

सीएम योगी ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं
कहा- संवेदनशील होकर समस्याओं का निस्तारण करें अधिकारी

लखनऊ **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प. बंगाल रवाना होने से पहले जनसेवा का संकल्प भी पूरा किया। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी और अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए सभी फरियादियों से मुलाकात की। एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान कराने को कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समयसीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करके पीड़ित को सूचित करना होगा। 'जनता दर्शन' में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई? पता चला-नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं। हर हाल में सुनवाई होगी और समस्या का यथोचित समाधान भी। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि धूप-गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में परिजनों के साथ आए बच्चों पर अपना स्नेह लुटाया। उन्हें चॉकलेट के साथ आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने मां की गोद में बैठे बच्चों से पूछा-चॉकलेट चाहिए तो एक बच्चे ने मुस्कुराकर अभिव्यक्ति दी, इस पर मुख्यमंत्री ने उसे चॉकलेट दी। चॉकलेट पाकर बच्चा खिलखिला उठा।

एटा में बीमा के पैसों के लेन-देन में युवक की हत्या
लापता होने के चौथे दिन जंगल में मिला शव, मौसिया ससुर पर हत्या का आरोप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के एटा जिले के नयागांव थाना क्षेत्र के डांडा गांव के जंगल में लापता हुए एक युवक का शव चौथे दिन पुलिस ने बरामद किया, जिसके परिजनों ने एक रिश्तेदार पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार परिजनों ने बीमा दावे के पैसों के लेन-देन को लेकर युवक के मौसिया ससुर पर हत्या का आरोप लगाया है।

उन्होंने बताया कि मरने वाले के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। उन्होंने बताया कि मरने वाले व्यक्ति की पहचान मलावन थाना क्षेत्र के लाखापुर के रहने वाले राजकुमार (35) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, राजकुमार रिश्तेदारी में बीमा दावे के पैसों के विवाद को सुलझाने डांडा गांव गया था। उसके चचेरे भाई अजय यादव ने बताया कि राजकुमार वहां से वापस नहीं लौटा तो 23 अप्रैल को नयागांव थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी और रविवार देर रात जंगल से उसका शव मिला है।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजनों का आरोप है कि पैसों के विवाद में साजिश के तहत हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया गया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि पहले गुमशुदगी दर्ज की गई थी, और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से मचा हडकंप, कई वाहन जलकर खाक

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बरेली के प्रेमनगर इलाके में स्थित एक अपार्टमेंट के भूतल में सोमवार की सुबह कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी जिसमें दो कार एवं दो दुपहिया वाहन जलकर राख हो गए। अधिकरियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) मनु शर्मा ने बताया कि सुबह करीब पांच बजकर पांच मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि तत्काल दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया।

शर्मा ने बताया कि टीम ने तेजी से कार्रवाई कर आग को फैलने से रोका और पंपिंग के जरिए बुझा दिया। शुरुआती जांच में विद्युत पैनल में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग की शुरुआत ग्राउंड फ्लोर पर लगे विद्युत पैनल से हुई। पहले चिंगारी निकली और फिर आग ने पास खड़े वाहनों को चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों में कारें और बाइक आग का गोला बन गईं और लोग वाहनों को बचाने का प्रयास भी नहीं कर सके।

लोगों ने बताया कि इस अग्निकांड में क्रेटा कार, स्कोडा कार, होंडा शाइन बाइक और एक एक्टिवा स्कूटी पूरी तरह जल गईं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि घटना के बाद परिसर धुएं और लपटों से घिर गया, जिससे ग्राउंड फ्लोर पर अफरा-तफरी मच गई। सीएफओ मनु शर्मा ने लोगों से अपील की कि विद्युत उपकरणों की नियमित जांच कराते रहें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

बंगाल की राजनीति में उबाल, अरविंद केजरीवाल का भाजपा पर हमला- 90 लाख वोट कटने का बदला लेगी जनता

कोलकाता **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपना समर्थन दिया और कहा कि बंगाल की जनता 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' प्रक्रिया के दौरान राज्य में 90 लाख वोट काटे जाने का बदला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लेगी। चल रहे विधानसभा चुनावों से पहले, केजरीवाल ने राज्य में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप लगाया। कोलकाता में एक जनसंवाद को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मैं इन चुनावों के लिए ममता बनर्जी को अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मैं पश्चिम बंगाल की जनता को बधाई देता हूं कि जिस तरह से वे इस तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं। पिछले दो दिनों में, मैंने राज्य में जो माहौल देखा है, उससे ऐसा लगता है कि बंगाल की जनता राज्य में 90 लाख वोट काटे जाने का बदला लेगी।

उनकी यह टिप्पणी राज्य में एक गरमाए हुए राजनीतिक माहौल के बीच आई है, जहाँ राजनीतिक दल अपने चुनाव प्रचार को तेज़ कर रहे हैं। बंगाल में विधानसभा चुनावों के दूसरे और अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार आज समाप्त हो जाएगा, क्योंकि दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को अपनी पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए, हाल की 'पदयात्राओं' और 'जनसभाओं' के दौरान मिले ज़बरदस्त जनसमर्थन का हवाला दिया, और ज़ोर देकर कहा कि माँ-माटी-मानुष की जीत' अब 'बस समय की बात है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, बनर्जी ने कहा, 'कल की पदयात्रा और जनसभाओं में आम लोगों का असाधारण उत्साह, सच्ची गर्मजोशी और सहज भावनात्मक जुड़ाव देखकर मैं इतनी भावुक हो गई हूँ कि उसे शब्दों में बयाँ करना मुश्किल है। यह एक ऐसा बंधन है जो इस धरती पर आई हर चुनौती का सामना करते हुए, वर्षों तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहने से बना है। माँ-माटी-मानुष की जीत अब कोई अनुमान लगाने की बात नहीं रही। यह अब बस समय की बात है।

बंगाल की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान पर ज़ोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्य लंबे समय से 'सद्भाव की किरण' और सभ्यतागत गौरव के रूप में खड़ा रहा है। बंगाल की यह पवित्र धरती, अनादि काल से, सद्भाव, संस्कृति और सभ्यतागत गौरव की किरण के रूप में खड़ी रही है। यहाँ उन विभाजनकारी, विनाशकारी ताकतों के लिए कोई जगह नहीं है जो बंगाल को उसके हक से वंचित करना चाहती हैं, उसकी विरासत को कलंकित करना चाहती हैं, और सत्ता की अपनी लालसा को लोगों की गरिमा पर हावी करना चाहती हैं। उन्हें वही जवाब मिलेगा जिसके वे हकदार हैं। बंगाल के जागरूक और एकजुट लोगों की ओर से एक निर्णायक, लोकतांत्रिक जवाब।

80 साल की उम्र लड़ने की नहीं : सुप्रीम कोर्ट ने संजय कपूर की मां और विधवा के बीच वसीयत की लड़ाई में मध्यस्थता का सुझाव दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में मध्यस्थता का सुझाव दिया। कोर्ट ने उनकी 80 वर्षीय मां रानी कपूर से कहा कि इस उम्र में लंबे समय तक कानूनी लड़ाई लड़ने का कोई खास फायदा नहीं होगा। उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने टिप्पणी की, यह कानूनी लड़ाई 80 साल की उम्र में शुरू हुई है... यह लड़ने-झगड़ने की उम्र नहीं है और सभी पक्षों को सलाह दी कि वे लंबी कानूनी लड़ाई में उलझने के बजाय आपसी सहमति से इस मामले को सुलझा लें। यह मामला सोना ग्रुप परिवार के भीतर संपत्ति के बंटवारे को लेकर चल रहे एक कड़वे विवाद से जुड़ा है। इसमें रानी कपूर ने एक 'फ़ैमिली ट्रस्ट' के गठन और उसके कामकाज को चुनौती दी है; उनका दावा है कि इस ट्रस्ट के कारण उन्हें अपनी संपत्तियों से वंचित कर दिया गया है।

उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ़ सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है, जिसमें उन्हें अंतरिम सुरक्षा देने से इनकार कर दिया गया था और मामले का अंतिम फ़ैसला आने तक संपत्ति को सुरक्षित रखने की उनकी मांग को भी ठुकरा दिया गया था। रानी कपूर ने आरोप लगाया है कि उन्हें उनकी पूरी विरासत जिसमें उनकी संपत्ति, आवास और अन्य चल-अचल संपत्तियाँ शामिल हैं। रानी कपूर ने आरोप लगाया है कि उन्हें उनकी पूरी विरासत जिसमें उनकी संपत्ति, आवास और अन्य चल-अचल संपत्तियाँ शामिल हैं–से वंचित कर दिया गया है, और उन्होंने इन संपत्तियों के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए तत्काल सुरक्षा उपायों की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह विवाद, जिसमें काफ़ी संपत्ति और कई पक्ष शामिल हैं, एक लंबी कानूनी लड़ाई में बदल सकता है। बेंच ने कहा कि यह एक लंबा चलने वाला मुक़दमा होगा। वादी 80 साल के हैं। अगर दोनों पक्ष मध्यस्थता का रास्ता अपनाते हैं और इस मुद्दे को शांति से सुलझा लेते हैं, तो यह उनके हित में होगा। हालांकि कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई इसके गुण-दोष के आधार पर करेगा, लेकिन उसने यह भी साफ़ कर दिया कि वह सबसे पहले दोनों पक्षों को आपसी बातचीत से समझौता करने के लिए प्रेरित करने की कोशिश करेगा। बेंच ने आगे कहा, 'हम इस मामले की सुनवाई इसके गुण-दोष के आधार पर करेंगे। लेकिन, हम मध्यस्थता को बढ़ावा देंगे।

अपने मुकदमे में, रानी कपूर ने आरोप लगाया है कि पारिवारिक ट्रस्ट धोखाधड़ी से बनाया गया था और इसका इस्तेमाल उनकी जानकारी और सहमति के बिना सोना ग्रुप की मुख्य संपत्तियों का नियंत्रण हस्तांतरित करने के लिए किया गया। उन्होंने दावा किया कि 2017 में स्ट्रोक आने के बाद, उनसे प्रशासनिक ज़रूरतों का बहाना बनाकर कुछ दस्तावेज़ों जिनमें कोरे कागज़ भी शामिल थे। पर हस्ताक्षर करवाए गए। उनके अनुसार, उनके दिवंगत बेटे संजय कपूर और उनकी पत्नी प्रिया कपूर ने उनकी खराब सेहत का फ़ायदा उठाकर संपत्तियों का मालिकाना हक ट्रस्ट के नाम कर दिया। पिछले साल जून में संजय कपूर की मृत्यु के बाद यह विवाद और बढ़ गया; रानी कपूर ने आरोप लगाया कि इसके बाद प्रिया कपूर ने ग्रुप की मुख्य संस्थाओं का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया, जिससे उन्हें संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं मिला।

पवन खेड़ा को गुवाहाटी हाई कोर्ट से झटका अब सुप्रीम कोर्ट में ज़के लिए लगाई गुहार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार (26 अप्रैल) को सुप्रीम कोर्ट में गुवाहाटी हाई कोर्ट के 24 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी। हाई कोर्ट ने असम पुलिस द्वारा उनके खिलाफ मानहानि और जालसाजी के मामले में उनकी अग्रिम ज़मानत याचिका खारिज कर दी थी। असम पुलिस ने यह मामला खेड़ा के उन आरोपों के संबंध में दर्ज किया था जिनमें उन्होंने कहा था कि हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां हैं। खेड़ा ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पिटीशन दायर की थी।

शुक्रवार को, गुवाहाटी हाई कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा की शिकायत पर उनके खिलाफ दर्ज एक केस के सिलसिले में खेड़ा की एंटीसिपेटरी बेल खारिज कर दी। यह ऑर्डर जस्टिस पार्थिवज्योति सैकिया ने पास किया, जिन्होंने इस मंगलवार को दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। उनकी अर्जी खारिज करते हुए, कोर्ट ने कहा कि इस मामले में जाली डॉक्यूमेंट्स रखने से जुड़े गंभीर आरोप शामिल हैं और कहा कि कांग्रेस नेता शायद जांच से बचने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे सच्चाई सामने लाने के लिए कस्टोडियल पूछताछ ज़रूरी हो गई है। यह डेवलपमेंट कांग्रेस नेता की ट्रांजिट बेल सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें उन्हें असम कोर्ट जाने के लिए कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि न तो वह और न ही तेलंगाना हाई कोर्ट असम कोर्ट के रास्ते में आएगा जो इस मामले की सुनवाई करेगा।

खेड़ा ने आरोप लगाया कि सरमा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और वह कई देशों में बिज़नेस चलाती हैं। खेड़ा को अपने आरोपों पर भाजपा से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा, और असम पुलिस ने 6 अप्रैल को शर्मा की शिकायत पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया। खेड़ा ने हैदराबाद में अपने घर का पता दिखाते हुए तेलंगाना हाई कोर्ट का रुख किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी एक राजनीतिक बदला है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल से की मुलाकात, विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से सोमवार को यहां मुलाकात कर राष्ट्रीय राजधानी में विकास परियोजनाओं और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल के साथ हुई मुलाकात को 'शिष्टाचार भेंट' बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, 'आज माननीय उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू जी से शिष्टाचार भेंट की। दिल्ली में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं, जनहित कार्यों और प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।' गुप्ता ने कहा कि सरकार दिल्ली के सर्वांगीण विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और प्रगति कार्यों को तेज़ गति से आगे बढ़ाने के लिए निरंतर समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उपराज्यपाल कार्यालय ने 'एक्स' पर अपने आधिकारिक पेज पर एक पोस्ट में गुप्ता की संधू के साथ मुलाकात की तस्वीरों को पोस्ट करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री ने लोक निवास में उपराज्यपाल से मुलाकात की।

पीएम मोदी का पश्चिम बंगाल के नाम पत्र, लिखा- भाजपा मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण साथ मनाएंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के लोगों को एक भावुक पत्र लिखा। यह पत्र उन्होंने विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण के प्रचार समाप्त होने के अवसर पर लिखा, जिसमें उन्होंने राज्य में अपने जनसंपर्क को आध्यात्मिक रूप से उत्साहवर्धक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण, दोनों ही बताया। पश्चिम बंगाल के भाइयों और बहनों' को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि हर चुनाव लोकतंत्र का एक पवित्र उत्सव होता है और उन्हें इसमें शामिल होकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस हुआ। अपने व्यापक चुनावी अभियान पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें राज्य की जनता के सामने भाजपा का विकास का रोडमैप प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें एक अनोखी ऊर्जा का अनुभव हुआ; उन्होंने आगे कहा कि भीषण गर्मी और लगातार रैलियों के बावजूद उन्हें ज़रा भी थकान महसूस नहीं हुई। उन्होंने लिखा कि ये रैलियाँ और रोडशो किसी तीर्थयात्रा जैसे लगे, ' और अपनी इस शक्ति का श्रेय माँ काली के आशीर्वाद और लोगों की भक्ति को दिया। जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लल्ला की प्राण-प्रतिष्ठा से इसकी तुलना करते हुए, जिसके लिए उन्होंने 11 दिनों का अनुष्ठान और उपवास रखा था। मोदी ने कहा कि बंगाल के चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्हें वैसी ही आध्यात्मिक अनुभूति हुई। प्रधानमंत्री ने लोगों के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव का भी ज़िक्र किया; उन्होंने बताया कि रैलियों और रोडशो के दौरान उन्हें अनगनित संदेश, पत्र और तस्वीरें मिलीं, जिन्हें वे आज भी पढ़ते हैं और उनका जवाब देते हैं। उन्होंने युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और परिवारों के इस स्नेह को अपना 'सबसे बड़ा खज़ाना' बताया।

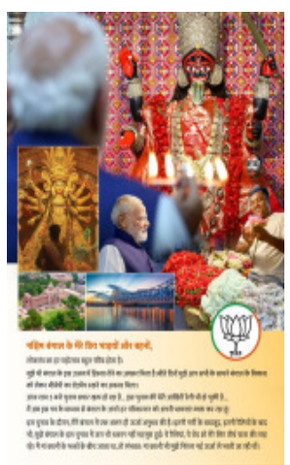

टीएमसी सांसद के काफिले पर हमला ईसी का सख्त एक्शन, जारी किए बड़े आदेश

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल के आरामबाग से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद मिताली बाग ने आरोप लगाया कि सोमवार को चुनाव प्रचार के अंतिम चरण के दौरान जब वह पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी की रैली में जा रही थीं, तब हुगली जिले के गोगहाट में भाजपा के गुंडों ने उनकी कार पर हमला कर दिया।

भाजपा ने इस आरोप को खारिज करते हुए दावा किया कि बाग 'नाटक' कर रही हैं और वास्तव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने ही भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि कथित घटना के संबंध में रिपोर्ट मांगी गई है और केंद्रीय बल घटनास्थल पर तैनात हैं। बाग ने फेसबुक लाइव के दौरान रोते हुए आरोप लगाया कि जब उनका वाहन भाजपा उम्मीदवार के चुनाव कार्यालय के पास से गुजर रहा था, तब भाजपा समर्थित असामाजिक तत्वों ने उनकी गाड़ी पर पथराव किया, जिसकी वजह से खिड़कियों के शीशे टूट गए।

खुद को एक दलित महिला बताते हुए आरामबाग की सांसद ने कहा कि वह अभिषेक बनर्जी की सभा में जा रही थीं, तभी भाजपा उम्मीदवार प्रशांत डिगर के कार्यालय के सामने लाठी लिए बैठे कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने रास्ता रोककर उनकी गाड़ी पर पथराव किया। बाग ने बताया कि वह एमयूवी कार की आगे वाली सीट पर बैठी थीं और उनकी पार्टी के कुछ कार्यकर्ता पीछे बैठे थे।

भारत-न्यूज़ीलैंड व्यापारिक संबंधों में नया सवेरा : ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर, भारतीय निर्यात को मिलेगी 100 फीसदी ड्यूटी-फ्री पहुँच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक व्यापार के मंच पर भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत और न्यूज़ीलैंड ने एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग, निवेश और कुशल प्रतिभाओं की आवाजाही के नए द्वार खोलेगा। इस समझौते पर भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूज़ीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि भारत के 100 प्रतिशत निर्यात को न्यूज़ीलैंड के बाज़ार में बिना किसी सीमा शुल्क के प्रवेश मिलेगा। इससे कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते-चप्पल, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर एमएसएमई और रोज़गार को काफ़ी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 'यह दूरदर्शी समझौता भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश को भी बढ़ावा देगा, जिससे व्यापार, सेवाओं, निवेश, नवाचार, गतिशीलता, कृषि उत्पादकता और शिक्षा के क्षेत्रों में हमारा सहयोग और गहरा होगा, और कुशल प्रतिभाओं तथा छात्रों के लिए नए रास्ते खुलेंगे।'

भारत का सभी सामान, जिसमें कपड़ा, प्लास्टिक की चीज़ें, चमड़ा और इंजीनियरिंग सामान जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के उत्पाद भी शामिल हैं, न्यूज़ीलैंड में बिना किसी ड्यूटी के प्रवेश करेगा। न्यूज़ीलैंड का औसत आयात शुल्क केवल 2.3 प्रतिशत है।

न्यूज़ीलैंड ने अगले 15 वर्षों में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने का वादा किया है। भारत ने आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, शिक्षा, वित्तीय

सेवाओं, पर्यटन, निर्माण और अन्य व्यावसायिक सेवाओं सहित उच्च-मूल्य वाली सेवाओं के कई क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं।

यह एफटीए कुशल व्यवसायों के रास्ते खोलता है। इसके तहत किसी भी समय 5, 000 वीज़ा का कोटा उपलब्ध होगा और पेशेवर तीन साल तक न्यूज़ीलैंड में रह सकेंगे।

भारत से वाइन और स्पिरिट का एक्सपोर्ट ड्यूटी-फ्री होगा, जबकि न्यूज़ीलैंड (ओशिनियाई देश) से आने वाली वाइन घरेलू बाज़ार में रियायती शुल्क पर प्रवेश करेगी। इस शुल्क को 10 वर्षों की अवधि में धीरे-धीरे कम किया जाएगा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने व्यापार समझौते में अपनाए गए मॉडल का पालन करते हुए, 70 प्रतिशत टैरिफ लाइनों (या उत्पाद श्रेणियों) पर बाज़ार तक पहुंच की पेशकश की है। यह देश मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने के पहले ही दिन से न्यूज़ीलैंड के 54.11 प्रतिशत निर्यात को ड्यूटी-फ्री एक्सेस देगा। इन सामानों में भेड़ का मांस, ऊन, कोयला और कई वानिकी व लकड़ी के उत्पाद शामिल हैं। इस कदम से भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ये चीज़ें सस्ती होने की उम्मीद है।

सेब, कीवी फल, मानुका शहद और एल्ब्यूमिन (दूध के एल्ब्यूमिन सहित) जैसे कृषि उत्पादों पर ड्यूटी में छूट दी जाएगी, लेकिन इसके लिए कोटा और न्यूनतम आयात मूल्य की शर्तें लागू होंगी। मसल्स और सैल्मन जैसी कई समुद्री खाद्य वस्तुओं पर लगने वाली ड्यूटी को सात साल की अवधि में पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।

सेब, कीवी फल, मानुका शहद और एल्ब्यूमिन (दूध के एल्ब्यूमिन सहित) जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों को टैरिफ-रेट कोटा के ज़रिए नियंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही, न्यूनतम आयात मूल्य और सुरक्षा उपायों का भी सहारा लिया जाएगा। इसके अलावा, भारत द्वारा एवोकैडो और परसिमन फलों पर लगने वाली आयात ड्यूटी को 10 साल के भीतर पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।

अकोला बना भारत का सबसे गर्म शहर, 46.9 डिग्री सेल्सियस पारे के साथ आईएमडी का लू का अलर्ट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के अकोला में देश में सबसे अधिक 46.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि नागपुर समेत विदर्भ के अन्य हिस्से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग के अधिकारियों ने सोमवार यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक राज्य के विदर्भ क्षेत्र के कुछ हिस्सों में मंगलवार तक लू की स्थिति बनी रहने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है तथा कुछ दूरस्थ स्थानों पर यह 47 डिग्री सेल्सियस भी हो सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नागपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, रविवार को अकोला में 46.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है।

दूसरे स्थान पर अमरावती रहा जहां तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंकड़ों के अनुसार, इसके अलावा वर्धा में 46.4 डिग्री सेल्सियस, यवतमाल में 46 डिग्री सेल्सियस, नागपुर में 45.4 डिग्री सेल्सियस और चंद्रपुर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आरएमसी के वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अकोला, अमरावती, वर्धा, यवतमाल, चंद्रपुर तथा नागपुर जैसे जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जबकि कई अन्य जिलों में सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया गया।

आईएमडी ने अकोला, अमरावती और वर्धा के लिए ऑरेंज अलर्ट और नागपुर, चंद्रपुर तथा यवतमाल के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक, मंगलवार के बाद लू से राहत मिलने की उम्मीद है और पारा दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक कम हो सकता है। साथ ही आने वाले दिनों में बारिश और तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है।

मरीन ड्राइव पर मोटरसाइकिल ने पैदल यात्री को मारी टक्कर, 3 व्यक्तियों की मौत

मुंबई **(एजेंसी)**। मरीन ड्राइव पर सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी। इस घटना में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 5.40 बजे एन एस रोड पर पारसी जिमखाना जंक्शन सिग्नल पर हुई, जब पैदल यात्री सड़क पार कर रहा था। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था जिसके पीछे एक महिला बैठी थी। उन्होंने बताया कि चालक ने सिग्नल की अनदेखी की और पैदल यात्री को टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया कि राहगीरों ने तीनों घायलों- मोटरसाइकिल चालक, महिला यात्री और पैदल यात्री - को जीटी अस्पताल पहुंचाया जहां तीनों को मृत घोषित कर दिया गया।

पैदल यात्री की पहचान किशोर पांडुरंग लामने (66) के रूप में हुई है जो गिरगांव के रहने वाले थे जबकि मोटरसाइकिल चालक कृष्णा उदय देसाई (19) मुलुंड निवासी था। उन्होंने बताया कि महिला यात्री की पहचान के प्रयास जारी हैं जिनकी उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच होने का अनुमान है। पुलिस के अनुसार मोटरसाइकिल चालक संभवतः गति को नियंत्रित नहीं कर पाया जिसके कारण उसने पैदल यात्री को टक्कर मार दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरीन ड्राइव पुलिस थाने में दुर्घटनावश मृत्यु का एक मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल आगे की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार का यू टर्न, विरोध के बाद ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी का नियम टला

मुम्बई **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को यह फ़ैसला किया कि राज्य में ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा को अनिवार्य बनाने के अपने फ़ैसले को छह महीने के लिए टाल दिया जाए। हालाँकि, सरकार ने कहा कि ड्राइवरों का सत्यापन जारी रहेगा। यह फ़ैसला सरकार के इस आदेश के खिलाफ़ हो रहे विरोध और भाषा को अनिवार्य बनाने की समय सीमा को 1 मई तक बढ़ाने की माँगों के बीच आया है।

इस महीने की शुरुआत में महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने 1 मई से ऑटो ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा को अनिवार्य बनाने के सरकार के फ़ैसले का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र के सभी 59 रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफ़िस इस नियम को लागू करने के लिए एक विशेष अभियान चलाएंगे। पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा था कि जो व्यक्ति महाराष्ट्र में कारोबार करता है, उसे मराठी में बातचीत करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा था, 'यह सुनिश्चित करने की भी कोशिश की जाएगी कि इस कदम से ड्राइवरों में मराठी भाषा के प्रति अपनापन पैदा हो, न कि यह सिर्फ़ एक प्रशासनिक निर्देश बनकर रह जाए। उन्होंने बताया था, 2019 में फ़ैसला लिए जाने के बावजूद, कई जगहों पर इसके ठीक से लागू न होने की कई शिकायतें मिली हैं। यह देखा गया है कि यात्रियों को अक्सर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि बाहर से आए ड्राइवर मराठी में बात नहीं करते।

हालाँकि, ऑटो रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों का प्रतिनिधित्व करने वाली कई यूनियनों ने सरकार के इस फ़ैसले पर आपत्ति जताई थी और यहाँ तक कि पूरे राज्य में आंदोलन शुरू करने की धमकी भी दी थी। शिवसेना नेता संजय निरुपम सहित कई लोगों ने सुझाव दिया कि वे सरकार के फ़ैसले का समर्थन करते हैं, लेकिन इसकी समय सीमा 1 मई से बढ़ाकर कम से कम एक साल कर दी जानी चाहिए।

व्हाइट हाउस के बाहर गोलीबारी पर बोले डोनाल्ड ट्रंप - मैं घबराया नहीं, देखना चाहता था क्या हो रहा है

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि शनिवार रात 'व्हाइट हाउस करेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन' के रात्रिभोज के दौरान होटल के बॉलरूम के बाहर हुई गोलीबारी के बाद जब सुरक्षाकर्मी उन्हें बाहर ले जा रहे थे, तब वह खुद देखना चाहते थे कि आखिर क्या हो रहा है। सीबीएस के '60 मिनट्स' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने वाशिंगटन हिल्टन होटल में गोलीबारी के बाद फैली अफरातफरी का पूरा घटनाक्रम बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या गोलियों की आवाज सुनकर वह चिंतित थे, तो ट्रंप ने कहा, "मैं घबराया नहीं था। मैं जिंदगी को समझता हूं। आजकल की दुनिया में कुछ भी हो सकता है।"

राष्ट्रपति ने कहा कि वह खुद घटनाक्रम को देखना चाहते थे, संभवतः इसी वजह से 'सीक्रेट सर्विस' के कर्मियों को उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने में समय लग गया। उन्होंने कहा, "मैं देखना चाहता था कि क्या हो रहा है। मैं उनके (सीक्रेट सर्विस के) साथ सहयोग नहीं कर रहा था। मैं जानना चाहता था कि क्या चल रहा है। धीरे-धीरे जब बात समझ में आई, तो लगा कि यह बॉलरूम का शोर नहीं, कुछ और ही मामला है, और गंभीर है।" ट्रंप ने घटना को याद करते हुए कहा, "मैं एक सजग टीम के मजबूत घेरे में था, लेकिन सच कहूं तो मैंने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। मैं कहता रहा, ठहरो, एक मिनट ठहरो।"

उन्होंने कहा कि जब वह मंच से बाहर निकल रहे थे, तब सुरक्षाकर्मी बार-बार उनसे नीचे झुकने की गुजारिश कर रहे थे। ट्रंप ने कहा, "मैं चलने लगा और उन्होंने कहा, कृपया नीचे झुकिए, कृपया फर्श की ओर झुकिए। तो मैं झुक गया और मेलानिया भी झुक गईं।" साक्षात्कार के दौरान कुछ तीखे पल भी आए, जब ट्रंप से हमले से पहले संदिग्ध द्वारा अपने परिवार को भेजे गए एक संदेश में उनके बारे में लिखी बातों पर सवाल किया गया। ट्रंप ने कहा, "मुझे पहले से पता था कि आप यह पढ़ेंगे, क्योंकि आप लोग ऐसे ही हैं।" उन्होंने कहा, "हां, उसने यह लिखा, लेकिन मैं बलात्कारी नहीं हूं। मैंने वह संदेश पढ़ा है, वह एक बीमार आदमी है। '60 मिनट्स' जैसे कार्यक्रम में ऐसी बातें पढ़ना शोभा नहीं देता, लेकिन चलिए साक्षात्कार जारी रखते हैं।"

जब साक्षात्कारकर्ता ने पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि हमलावर विशेष रूप से उन्हें निशाना बना रहा था, तो ट्रंप ने कहा, "मैं कोई बच्चों का शोषण करने वाला व्यक्ति नहीं हूंष्ठआप किसी दिमागी रूप से बीमार इंसान की बकवास पढ़ रहे हैं? मुझे ऐसी चीजों से जोड़ा जा रहा है, जिनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पूरी तरह बेदाग साबित किया जा चुका है।" अंत में राष्ट्रपति ने 'व्हाइट हाउस करेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन' से अपील की कि वे अगले 30 दिन के भीतर यह रात्रिभोज दोबारा आयोजित करें। ट्रंप ने कहा, "मैं नहीं चाहता कि यह रद्द हो। मुझे लगता है कि किसी कम अक्ल इंसान द्वारा इस तरह के आयोजन को रद्द करवा देना बेहद बुरी बात है।" उन्होंने यह भी कहा, "ऐसा नहीं है कि मैं वहां जाना चाहता हूं।

व्हाइट हाउस में गोलीबारी पर बोले बराक ओबामा- लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं, ट्रंप पर साधी चुप्पी

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना की निंदा करते हुए कहा है कि एक लोकतांत्रिक समाज में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने इस कार्यक्रम में मौजूद सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और बहादुरी की भी सराहना की। यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सालाना कार्यक्रम के दौरान हुई, जिसमें अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कई सीनियर अधिकारी शामिल थे। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी खास मेहमान सुरक्षित हैं। हालांकि, हालात को संभालने की कोशिश में एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी घायल हो गया।

ओबामा ने एक्स पर पोस्ट किया हालांकि, व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में कल रात हुई गोलीबारी के पीछे के मकसद के बारे में हमारे पास अभी पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन हम सभी की यह ज़िम्मेदारी है कि हम इस सोच को सिरे से खारिज कर दें कि हमारे लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह है। यह हमें ऊए सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की उस हिम्मत और कुर्बानी की भी याद दिलाता है, जो वे हर दिन दिखाते हैं। मैं उनका शुक्रगुज़ार हूँ और इस बात के लिए भी आभारी हूँ कि जिस एजेंट को गोली लगी थी, वह अब ठीक हो जाएगा। कई दूसरे ग्लोबल नेताओं के उलट, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के सुरक्षित होने पर सार्वजनिक तौर पर राहत ज़ाहिर की थी, ओबामा ने अपनी पोस्ट में ऊए राष्ट्रपति का ज़िक्र नहीं किया।

गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान कैलिफ़ोर्निया के 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। जांचकर्ताओं का कहना है कि घटना से कुछ ही समय पहले उसने अपने परिवार को कुछ परेशान करने वाले संदेश भेजे थे, जिससे उसके इरादों को लेकर चिंताएं पैदा हो गई थीं। एपी द्वारा उद्धृत एक कानून प्रवर्तन अधिकारी के अनुसार, एलन ने अपने लिखे हुए संदेशों में खुद को एक 'मिलनसार संघीय हत्यारा' बताया था। ये संदेश गोलीबारी शुरू होने से कुछ ही मिनट पहले भेजे गए थे, और अब जांच के हिस्से के तौर पर इनकी बारीकी से जांच की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इन संदेशों की सामग्री किसी राजनीतिक मकसद की ओर इशारा करती है। बताया जाता है कि संदिग्ध ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी कई नीतियों पर गुस्सा ज़ाहिर किया था, हालांकि उसने उनका नाम लेकर ज़िक्र नहीं किया था। इन संदेशों में हालिया सरकारी कार्रवाइयों और प्रशासन से जुड़ी व्यापक शिकायतों का भी ज़िक्र था। इन संदेशों में पूर्वी प्रशांत महासागर में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाली नावों के खिलाफ अमेरिका के अभियानों जैसे मुद्दों का भी ज़िक्र किया गया था।

एक और युद्धविराम खटाई में : लेबनान में स्ट्राइक बाद हिज़्बुल्ला का ऐलान, इजरायल संग सीधी बातचीत से इंकार

बेरुत। मध्य पूर्व में तनाव कम होने के बजाय, एक बार फिर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हिज़्बुल्लाह के उप-प्रमुख नईम कासिम ने यह साफ कर दिया है कि उनका संगठन इज़रायल के साथ किसी भी तरह की सीधी बातचीत के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि 'सीधी बातचीत का तो सवाल ही नहीं उठता' और हिज़्बुल्लाह अपने हथियार नहीं डालेगा। कासिम ने यह भी कहा कि उनका संगठन इजरायली 'आक्रामकता' का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। लेबनानी सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि उसने कुछ फ़ैसले जल्दबाज़ी में लिए हैं और उसे सीधी बातचीत के बजाय अप्रत्यक्ष बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए था।

दूसरी ओर, इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान में कई सैन्य अभियान चलाने का दावा किया है। इजरायली सेना के अनुसार, उनके सैनिकों ने तीन ऐसे लोगों को निशाना बनाया जिनसे उन्हें 'तत्काल खतरा' था, और उन्हें एक हवाई हमले में मार गिराया गया। आईडीएफ ने आगे बताया कि उसने हिज़्बुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए, जिनमें बिंत जबील सेक्टर में संगठन का मुख्यालय भी शामिल है। इन हमलों के बाद वहां दूसरे धमाके भी हुए, जो इस बात का संकेत हैं कि उन जगहों पर हथियारों के जखीरे मौजूद थे।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हिज़्बुल्लाह पर संघर्ष-विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हिज़्बुल्लाह की गतिविधियों से संघर्ष-विराम कमजोर पड़ रहा है और इजरायल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाना जारी रखेगा। यह ध्यान देने योग्य है कि डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष-विराम को तीन हफ़्ते के लिए बढ़ाने की घोषणा की थी। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

कुल मिलाकर, जहाँ एक ओर हिज़्बुल्लाह बातचीत करने से इनकार कर रहा है, वहीं दूसरी ओर इजरायल सैन्य कार्रवाई जारी रखे हुए है। इन परिस्थितियों में, यह साफ है कि संघर्ष-विराम के बावजूद इस क्षेत्र में स्थायी शांति अभी भी एक दूर की संभावना बनी हुई है।

अराघची के रूस पहुंचते ही ट्रंप का गुस्सा आसमान पर, बोले-अब सिर्फ 3 दिन, उड़ा देंगे ईरान की सभी तेल पाइपलाइन

मॉस्को **(एजेंसी)**। मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बीच तनाव और बढ़ गया है। ठीक उसी समय जब ईरान के उप विदेश मंत्री, अब्बास अराघची रूस पहुँचे, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक कड़ा और आक्रामक बयान जारी किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान तीन दिनों के भीतर किसी समझौते पर पहुँचने में विफल रहता है, तो उसकी तेल पाइपलाइनें नष्ट कर दी जाएँगी। एक साक्षात्कार में, ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका पहले से ही नौसैनिक नाकाबंदी के माध्यम से ईरान के तेल निर्यात पर रोक लगा रहा है। अब, यदि पाइपलाइनें भी नष्ट हो जाती हैं, तो ईरान तेल निर्यात करने में पूरी तरह से असमर्थ हो जाएगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है, और स्थिति युद्ध के कगार पर बनी हुई है।

दूसरी ओर, अब्बास अराघची कूटनीतिक प्रयासों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। उन्होंने पहले ओमान का दौरा किया, फिर पाकिस्तान गए, और अब रूस में हैं, जहाँ उनके व्लादिमीर पुतिन से मिलने की उम्मीद है। इस दौरे का उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा करना और समर्थन जुटाना है। जिस विशेष विमान से अराघची रूस पहुँचे, उस पर 'मिनाब 168' लिखा हुआ था। यह नाम उन बच्चों को श्रद्धांजलि के रूप में है जो हाल ही में हुए एक अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए थे। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ईरान इस मुद्दे को भावनात्मक और राजनीतिक, दोनों ही मोर्चों पर उठा रहा है। इस बीच, ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने प्रस्ताव और 'रेड लाइन्स' (सीमाएं) भी पहुँचा दिए हैं।

बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर अचानक हमला : युवक ने की भद्दी टिप्पणियां, फिर बोला-'मेरे देश से निकल जाओ'

ओटावा **(एजेंसी)**। कनाडा में युवक ने सिख व्यक्ति पर किया हमला, बोला-'मेरे देश से निकल जाओ' टोरंटो, 27 अप्रैल (भाषा) कनाडा में एक युवक ने एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर हमला कर दिया और नस्लवादी टिप्पणियां करते हुए कहा-'मेरे देश से बाहर निकलो' जिसके बाद पुलिस ने इसे 'घृणा से प्रेरित हमला' मानते हुए जांच शुरू कर दी है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। वुडस्टॉक पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह घटना 22 अप्रैल को ओंटारियो के वुडस्टॉक की है और युवक पर अपने कृत्यों के लिए कई आरोप लगाए गए हैं। बयान में कहा गया कि बुजुर्ग फुटपाथ पर चल रहे थे तभी एक युवक ने उन्हें धक्का दे दिया। पुलिस के मुताबिक युवक ने पीड़ित को उनकी नस्लीय पहचान के आधार पर निशाना बनाया और टिप्पणियां की व अपशब्द कहे। पीड़ित को कोई चोट नहीं आई है।

जांच में यह पाया गया कि युवक ने बिना किसी उकसावे के बुजुर्ग पर हमला किया। बयान में कहा गया कि हमले के बाद युवक टर्टल आइलैंड स्कूल की बाड़ फांदकर परिसर में घुस गया और फिर वहां से निकल भागा। इसमें कहा गया कि उसने किसी विद्यार्थी को निशाना नहीं बनाया। पुलिस ने बताया, "जांच के बाद घृणा से प्रेरित हमले के आरोप में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। जमानत सुनवाई तक उसे हिरासत में रखा गया है।"

वुडस्टॉक पुलिस ने बताया कि इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें युवक बार-बार नस्लवादी टिप्पणी करता सुनाई दे रहा है। वीडियो में उसे कहते सुना जा सकता है-"तुम मेरे देश में क्या कर रहे हो?, तुम यहां के नहीं हो, मेरे देश से निकल जाओ।" पुलिस ने कहा, "हमारे समाज में नफरत की कोई जगह नहीं है। हम समुदाय के हर सदस्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जो भी घृणा से प्रेरित किसी घटना का शिकार हो, वह पुलिस को सूचित करे।'

पुलिस ने यह भी कहा कि ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस बीच विश्व सिख संगठन ने 'एक्स' पर जारी बयान में इस घटना पर गहरी चिंता जताई और हमले को अस्वीकार्य बताया। संगठन ने त्वरित कार्रवाई के लिए वुडस्टॉक पुलिस का आभार जताया। संगठन ने कहा, "हमारी हालिया सिख-विरोधी रिपोर्ट बताती है कि ऐसी घटनाएं एक व्यापक और चिंताजनक पैटर्न का हिस्सा हैं। सही समय पर सूचना, जन जागरुकता और संस्थानों की समन्वित कार्रवाई जरूरी है।

'उसे लैब में टेस्ट करवाओ', वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में बोले पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट नियाज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 15 साल के बच्चे के लिए क्रिकेट बॉल को उस तरह से मारना आम बात नहीं है जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी मार रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन की शुरुआत से ही सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक बनकर उभरे हैं। वह रन बनाने वालों की लिस्ट में टॉप पर पहुंचने की कोशिश भी कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि सीजन के आखिर में ऑरेंज कैप उनकी होगी। पाकिस्तान के एक शो में क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज ने मजाक में कहा कि राजस्थान रॉयल्स के इस ओपनिंग बल्लेबाज के अंदर एक एआई चिप लगी हुई है क्योंकि वह जिस आसानी से छक्के मार रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा ही लगता है, जबकि वह अभी टीनएजर ही हैं।

नियाज ने एक वीडियो में कहा, 'यह लड़का है क्या बला! जैसे वाडा डोपिंग टेस्ट करता है, वैसे ही इसे भी किसी लैब में भेजना चाहिए, शायद इसके अंदर कोई एआई चिप लगी हुई है। यह बिल्कुल ही अविश्वसनीय है, यार। मेरा मतलब है, मुझे इससे बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। क्या जबरदस्त खिलाड़ी है यह।' नियाज ने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (एसआरएच के खिलाफ) थोड़ा धीमा खेला, उसका स्ट्राइक-रेट 300 होना चाहिए था।'

उन्होंने कहा, 'ठीक है तो मेडिकल तौर पर, जब आप 18 साल के होते हैं, तो आपका पूरा शरीर आकार लेना शुरू करता है। आपके कंधे गोल हो जाते हैं, मांसपेशियां बनती हैं, ट्राइसेप्स, बाइसेप्स और आपका कोर मजबूत होता है, क्योंकि उस समय आपके शरीर में हॉर्मोन और टेस्टोस्टेरोन का स्तर अपने चरम पर होता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले सालों में सूर्यवंशी का विकास और कितना ज्यादा हो सकता है। पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट ने सूर्यवंशी की उन खूबियों के बारे में भी बात की, जो उन्हें बाकी सबसे अलग बनाती हैं। नियाज ने कहा, 'वह 16 साल का है। जब वह पैदा हुआ था, तब विराट कोहली पहले से ही वर्ल्ड चैंपियन बन चुके थे। वह पहले ही जीत चुके थे। अब आप उसमें क्या देखते हैं? मैंने यह पता लगाने की कोशिश की कि यह फर्क क्यों है। ठीक है, उसके पास बहुत ज़्यादा तकनीक नहीं है। यह उसकी ताकत नहीं, बल्कि उसकी तकनीक है (जो उसे इस तरह खेलने में मदद करती है)। खेलते समय उसकी कलाई का इस्तेमाल और उसका आर्क, ये दोनों ही बड़े फैक्टर हैं।'

सूर्यवंशी आईपीएल 2026 सीज़न में सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 8 मैचों में कुल 357 रन बनाए हैं। इस सीजन में वह अब तक एक शतक और तीन अर्धशतक बना चुके हैं और उसका स्ट्राइक रेट 234 से भी ज्यादा है।

सान्या मल्होत्रा का बेबाक अंदाज, बोलीं- 'असफलता से डर नहीं लगता, जोखिम लेने से नहीं डरती'

बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस में शुमार सान्या मल्होत्रा हर बार अपनी एक्टिंग के जरिए लोगों का दिल जीत ही लेती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एनडीटीवी युवा 2026 कार्यक्रम में अपने खास अंदाज दर्शकों का मंत्रमुग्ध कर दिया है। सान्या ने साल 2016 में आई फिल्म 'दंगल' से एक्टिंग की दुनिया में प्रसिद्धि हासिल की है।

सान्या ने इंटरव्यू में बताया कि, अब तक के अपने सफर पर गर्व करती हैं और 2016 की अपनी खुद की छवि के लिए उनके पास कोई सलाह नहीं है। सान्या ने कहा, 'मुझे अपने अतीत पर इतना गर्व है कि मैं उसे कुछ नहीं कहूंगी। मुझे अपने 2016 के स्वरूप और अपने पिछले काम के स्वरूप पर बहुत गर्व है। चिंता मत करो, गलतियां करो। मैं खुद से कहूंगी कि तुमने उन गलतियों से सीखते हुए बहुत लंबा सफर तय किया है। अगर मैं इसके विपरीत सलाह दूं और कहूं कि यह मत करो या वह मत करो, तो मैं एक अवसर छीन लूंगी।'

बॉलीवुड में अपने किरदारों को लेकर सान्या ने कहा कि, उन पर कोई दबाव नहीं है। 'कभी-कभी ऐसा होता है कि मैं कुछ करती हूं और वो पसंद नहीं आता। क्या इससे मुझे जोखिम उठाने से रोका जा सकेगा? बिल्कुल नहीं। मुझे असफलता से डर नहीं लगता और न ही कुछ नया करने से'।

दंगल के अलावा, सान्या ने बधाई हो, पगलैट और कथल जैसी फिल्मों में भी वर्सटाइल भूमिकाएं निभा चुकी हैं। एक्ट्रेस अपने टैलेंट के जरिए कई फिल्मों में धमाकेदार बना दी है। इंटरव्यू में सान्या ने दिलजीत दोसांझ के साथ काम करने के अनुभव को याद किया और कहा कि यह एक खास अनुभव था। 'मुझे दिलजीत दोसांझ के म्यूजिक और उन पर डांस करना बहुत पसंद है।

जब भी उनका कोई गाना आता है, मैं एक रील बनाकर अपलोड करती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि सान्या मल्होत्रा और दिलजीत दोसांझ ने पिछले साल अक्टूबर में रिलीज हुए एल्बम 'ऑरा' के म्यूजिक वीडियो 'चार्मर' के लिए साथ काम किया था।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का किया सूपड़ा साफ थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

होर्सेंस (डेनमार्क) **(एजेंसी)**। भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी।

चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

यूएस ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया।

इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा भूपति पर 21-11, 21-17 से जीत हासिल की। हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन ने दूसरे युगल मुकाबले में एंडिका रामाडियांस्या और एफ्रैम स्टीफ़न सैम को 21-12, 21-10 से हराया जिससे भारत इस मुकाबले में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

रग्बी प्रीमियर लीग का ऐतिहासिक कदम पहली बार महिला टूर्नामेंट में भिड़ेंगी 4 टीमें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) में पहली बार महिला टूर्नामेंट का आयोजन जून में होगा जिसमें चार फ्रेंचाइजी टीम मुकाबला करेंगी। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। आरपीएल 2025 में हिस्सा लेने वाली छह पुरुष फ्रेंचाइजी में से चार टीम महिला टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम मैदान में उतारेंगी। लीग का आयोजन 16 से 28 जून तक हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में होगा।

महिला वर्ग में चेन्नई बुल्स (एविड सिस स्पोर्ट्स), दिल्ली रेड्ज (आरएमजेड कॉर्प), मुंबई ड्रीमर्स (ड्रीम स्पोर्ट्स) और कोलकाता बंगा टाइगर्स (हंच वेंचर्स) की टीम हिस्सा लेगी। जीएमआर स्पोर्ट्स इस लीग का आयोजन रग्बी इंडिया के साथ मिलकर कर रहा है। चार महिला टीम और छह पुरुष टीम (जिनमें हैदराबाद हीरोज और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स शामिल हैं) के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में होगी।

रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सत्र का आयोजन पिछले साल मुंबई में किया गया था। महिला टूर्नामेंट की शुरुआत के बारे में बात करते हुए रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, ''रग्बी इंडिया में हमारा हमेशा से यह सपना रहा है कि आरपीएल का महिला टूर्नामेंट भी हो। इस साल हमारा वह सपना पूरा हो रहा है।

बैडमिंटन की ग्लोबल बॉडी बीडब्ल्यूएफ में पीवी सिंधू का नया रोल

परिषद सदस्य बन उठाएंगी खिलाड़ियों के मुद्दे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की परिषद के सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर दिया है और उन्होंने दुनिया भर के खिलाड़ियों के मसलों को उठाने का वादा किया। बैडमिंटन की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक सिंधू ने दिसंबर में बीडब्ल्यूएफ खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के बाद बीडब्ल्यूएफ परिषद में पूर्ण मतदान का अधिकार हासिल कर लिया है। सिंधू आधिकारिक तौर पर 2025 के आखिर में परिषद में शामिल हुई थी।

उन्होंने 25 अप्रैल को यहां वार्षिक आम बैठक में पहली बार हिस्सा लिया और इस तरह से उनके कार्यकाल की शुरुआत हुई। सिंधू ने इस अवसर पर कहा, ''विश्व बैडमिंटन महासंघ के यह जिम्मेदारी निभाना और दुनिया भर के खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए वास्तव में सम्मान और सौभाग्य की बात है।'' उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा, बैडमिंटन ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे खुशी है कि मुझे इस क्षमता से भी खेल की सेवा करने का मौका मिल रहा है।'' विश्व बैडमिंटन महासंघ की परिषद विश्व स्तर पर बैडमिंटन को रणनीतिक दिशा प्रदान करने और उसके संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वदत्रकुल ने सिंधू का परिषद में स्वागत करते हुए कहा, ''पीवी सिंधू ने पिछले कई वर्षों से कोर्ट पर असाधारण कौशल, शालीनता और अपने जज्बे का शानदार प्रदर्शन किया है। अब वह हमारे खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व रहेगी। इस तरह की आदर्श खिलाड़ी का परिषद में होना बहुत अच्छा है।

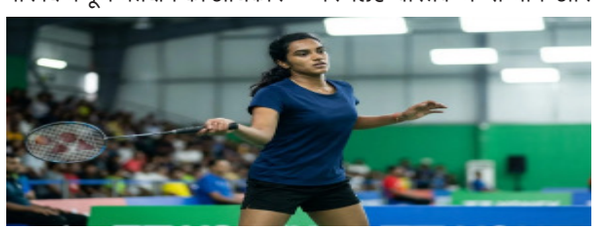

तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 558 अंक उछला

मुंबई **(एजेंसी)**। वैश्विक शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में तीन सत्र की गिरावट के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 558.54 अंक चढ़कर 77, 222.75 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 171.20 अंक की बढ़त के साथ 24, 069.15 अंक पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से सन फार्मा के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी के अमेरिका स्थित ऑर्गनॉन एंड को. का अधिग्रहण करने की घोषणा के बाद इसके शेयर में यह उछाल आया। अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी मुनाफे में रहे। वहीं एक्सिस बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.18 प्रतिशत चढ़कर 106.6 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने 8, 827.87 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। सेंसेक्स शुक्रवार को 1.29 प्रतिशत और निफ्टी 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

सुपर ओवर में पूरन को भेजकर बहुत बड़ी गलती की

एलएसजी की हार पर दीप दासगुप्ता ने उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सुपर ओवर में मिली हार के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स के रणनीतिक फैसलों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सुपर ओवर में मिचेल मार्श से पहले खराब फॉर्म में चल रहे निकोलस पूरन को बल्लेबाजी के लिए भेजना एक 'बहुत बड़ी गलती' थी। लखनऊ में एलएसजी की करीबी हार का विश्लेषण करते हुए दासगुप्ता ने टीम के प्रदर्शन और निर्णय लेने की प्रक्रिया, दोनों में कमियों की ओर इशारा किया। खासकर सुपर ओवर में जहां एक मजबूत बल्लेबाजी क्रम होने के बावजूद टीम दबाव में बिखर गई।

दासगुप्ता ने जियो हाटस्टार से कहा, 'एलएसजी के लगातार दो मैच थे - एक राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और दूसरा केकेआर के खिलाफ - जिनमें उन्हें जीतना चाहिए था। मैं समझता हूं कि कोलकाता के खिलाफ पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी, लेकिन आप उम्मीद करेंगे कि वे 155 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लेंगे। इस तरह के बल्लेबाजी क्रम के साथ लक्ष्य का पीछा न कर पाना टीम के ड्रेसिंग रूम के मनोबल के लिए अच्छा नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'आपको अच्छी तरह पता है कि आपके बल्लेबाज रन नहीं बना पा रहे हैं, और इसके ऊपर आपने एक और बड़ी गलती कर दी। आपने सुपर ओवर में मिचेल मार्श से पहले निकोलस पूरन जैसे खिलाड़ी को बल्लेबाजी के लिए भेज दिया, जबकि मिचेल मार्श इस सीजन में टीम के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिए मिचेल मार्श, हिम्मत सिंह और एडेन मार्करम सबसे आदर्श विकल्प होते। इसके बजाय उन्होंने आत्मविश्वास से जूझ रहे पूरन को भेज दिया। टी20 क्रिकेट में इस तरह के करीबी मैच लगातार हारने से किसी भी टीम का पूरा सीजन खराब हो सकता है। एलएसजी को अपने बल्लेबाजी क्रम और निर्णय लेने की प्रक्रिया में जल्द से जल्द सुधार करना होगा, वरना प्लेऑफ में जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा।'

एलएंडटी रियल्टी प्रॉपर्टीज ने एनसीआर में भूमि अधिग्रहण के साथ अपने विकास खंड का किया विस्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो की अनुषंगी कंपनी एलएंडटी रियल्टी प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने इंटरनेशनल ग्रीन स्केप्स लिमिटेड (आईजीएसएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की सोमवार को घोषणा की। इस सौदे से गुरुग्राम में करीब 20 एकड़ भूमि रियल एस्टेट विकास के लिए उपलब्ध हो गई है। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के छोटे बाजार में एलएंडटी रियल्टी प्रॉपर्टीज लिमिटेड का पहला भूमि अधिग्रहण है। इसमें करीब 36 लाख वर्ग फुट के विकास की क्षमता है।

लार्सन एंड टुब्रो ने 10 अप्रैल को बताया था कि उसने आईजीएसएल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 1, 123 करोड़ रुपए में शेयर खरीद एवं शेयरधारक समझौता किया है। कंपनी के अनुसार, इस अधिग्रहण से एलएंडटी रियल्टी प्रॉपर्टीज को आईजीएसएल के स्वामित्व वाली भूमि का उपयोग कर अपने रियल एस्टेट विकास खंड का विस्तार और सुदृढ़ीकरण करने में मदद मिलेगी। एलएंडटी रियल्टी प्रॉपर्टीज ने 13 अप्रैल 2026 को इस अधिग्रहण को पूरा कर लिया। एनसीआर में यह भूमि अधिग्रहण ऐसे समय में हुआ है जब भारत के तेजी से शहरीकरण वाले शहरों में प्रीमियम आवास और वाणिज्यिक स्थानों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इससे एलएंडटी के रियल एस्टेट खंड को मजबूती मिलेगी।

टॉम लाथम बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी-20आई मैच से बाहर, निक केली को मिली कप्तानी

चटगांव (बांग्लादेश) **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की है कि ब्लैक कैप्स के कप्तान टॉम लाथम ट्रेनिंग सेशन के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20आई मैच सोमवार को चटगांव के बीर श्रेष्ठ फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान स्टेडियम में खेला जा रहा है।

एक्स पर जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार सीरीज के पहले मैच से पहले प्रैक्टिस के दौरान बल्लेबाजी करते समय गेंद लगने से लाथम के दाएं पैर के बड़े अंगूठे के नाखून के नीचे कट लग गया। बयान में कहा गया है, 'ब्लैक कैप्स के कप्तान टॉम लाथम आज बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच से बाहर हो गए हैं। कल ट्रेनिंग के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनके दाएं पैर के बड़े अंगूठे पर गेंद लग गई थी। लाथम के अंगूठे के नाखून के नीचे कट लग गया है, और सीरीज के बाकी मैचों में उनकी उपलब्धता का फैसला हर मैच के बाद किया जाएगा।'

उनकी गैरमौजूदगी में वेलिंगटन फायरबर्ड्स के बल्लेबाज निक केली पहले टी-20 मैच में कप्तानी संभाल रहे हैं। इसके साथ ही वह टी-20 इंटरनेशनल में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाले 13वें खिलाड़ी बन गए। बयान में कहा गया है, 'वेलिंगटन फायरबर्ड्स के बल्लेबाज निक केली, लाथम की जगह कप्तानी करेंगे और ब्लैक कैप्स के 13वें टी-20 कप्तान बनेंगे।' इस बीच बांग्लादेश ने टॉस जीतकर मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज के पहले टी-20आई मैच में पहले फील्डिंग करने का फैसला किया है।

बांग्लादेश : तंजीद हसन तमीम, सैफ हसन, लिटन दास (विकेटकीपर/कप्तान), परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरिफुल इस्लाम, रिपन मंडल।

न्यूजीलैंड : टिम रॉबिन्सन, कैप्टेन क्लार्क, डेन क्लीवर (विकेटकीपर), निक केली (कप्तान), बेवन जैकब्स, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, जोश क्लार्कसन, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी, मैथ्यू फिशर, बेन लिस्टर।

ओलंपिक क्वालिफिकेशन से पहले मनु भाकर की नजरें एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने आगामी सीजन और ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र से पहले अपने इरादे साफ कर दिए हैं। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने के बाद अब उनका फोकस एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर है, जहां वह अपनी फॉर्म को फिर से शीर्ष स्तर पर ले जाना चाहती हैं।

मनु भाकर ने कहा, 'इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े टूर्नामेंट हैं। हम इन दोनों प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' उन्होंने बताया कि कोच के साथ बैठकर उन्होंने आगामी टूर्नामेंट्स और तैयारी की पूरी योजना बना ली है।

पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद मनु का फॉर्म थोड़ा शांत रहा। हालांकि उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप सिल्वर और इस साल 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप सिल्वर जीता। अब उनका लक्ष्य फिर से अपनी पुरानी लय हासिल करना है।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र इस साल से शुरू हो रहा है। मनु भाकर का मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन उन्हें ओलंपिक के लिए मजबूत दावेदार बनाएगा।

मनु ने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'मेरा पहला बड़ा ब्रेकथ्रू 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में मिला था। 2030 में भारत में होने वाले गेम्स को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं।' मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह यात्रा ओलंपिक के दौरान शुरू हुई और अब मैं इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं।'

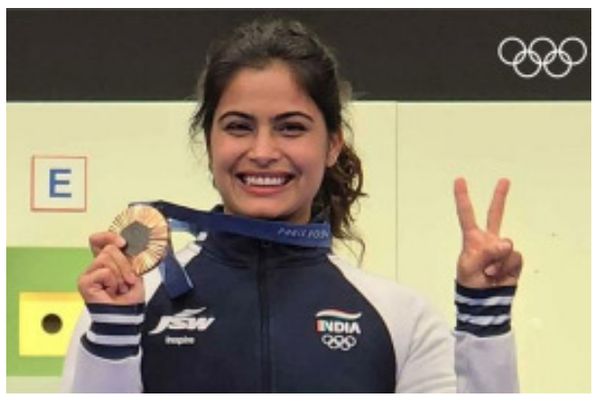

शौर्य भारत
UPHIN/2021/84100
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
एस कुमार
मुद्रण स्थल
राधेश्याम पटेल वेब ऑफसेट प्रिंटर्स, 65 मोनार्की इंडस्ट्रियल स्टेट, तेलियरगंज प्रयागराज
प्रकाशन स्थल
399-ए, चक रघुनाथ हनुमान नगर नैनी, प्रयागराज (यू.पी.)
सम्पादकीय टीम
सम्पादक : एस कुमार
-: e-mail : -
shauryabharat24x7@gmail.com
सूचना
शौर्य भारत से संबंधित सभी विवादों का निपटारा प्रयागराज न्यायालय क्षेत्र में ही किया जायेगा।
विज्ञापन हेतु सम्पर्क
शौर्य भारत से जुड़ने व समाचार/विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें - 7458047077

टॉम लाथम बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी-20आई मैच से बाहर, निक केली को मिली कप्तानी

चटगांव (बांग्लादेश) **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की है कि ब्लैक कैप्स के कप्तान टॉम लाथम ट्रेनिंग सेशन के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मैच से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20आई मैच सोमवार को चटगांव के बीर श्रेष्ठ फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान स्टेडियम में खेला जा रहा है।

एक्स पर जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार सीरीज के पहले मैच से पहले प्रैक्टिस के दौरान बल्लेबाजी करते समय गेंद लगने से लाथम के दाएं पैर के बड़े अंगूठे के नाखून के नीचे कट लग गया। बयान में कहा गया है, 'ब्लैक कैप्स के कप्तान टॉम लाथम आज बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच से बाहर हो गए हैं। कल ट्रेनिंग के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनके दाएं पैर के बड़े अंगूठे पर गेंद लग गई थी। लाथम के अंगूठे के नाखून के नीचे कट लग गया है, और सीरीज के बाकी मैचों में उनकी उपलब्धता का फैसला हर मैच के बाद किया जाएगा।'

उनकी गैरमौजूदगी में वेलिंगटन फायरबर्ड्स के बल्लेबाज निक केली पहले टी-20 मैच में कप्तानी संभाल रहे हैं। इसके साथ ही वह टी-20 इंटरनेशनल में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाले 13वें खिलाड़ी बन गए। बयान में कहा गया है, 'वेलिंगटन फायरबर्ड्स के बल्लेबाज निक केली, लाथम की जगह कप्तानी करेंगे और ब्लैक कैप्स के 13वें टी-20 कप्तान बनेंगे।' इस बीच बांग्लादेश ने टॉस जीतकर मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज के पहले टी-20आई मैच में पहले फील्डिंग करने का फैसला किया है।

बांग्लादेश : तंजीद हसन तमीम, सैफ हसन, लिटन दास (विकेटकीपर/कप्तान), परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरिफुल इस्लाम, रिपन मंडल।

न्यूजीलैंड : टिम रॉबिन्सन, कैप्टेन क्लार्क, डेन क्लीवर (विकेटकीपर), निक केली (कप्तान), बेवन जैकब्स, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, जोश क्लार्कसन, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी, मैथ्यू फिशर, बेन लिस्टर।